RNI No. MPHIN/2018/76422

माही की गूंज

बेबाकी के साथ..सच

Email-mahikigunj@gmail.com

वर्ष-02, अंक - 24 (साप्ताहिक) | खवासा, गुरुवार 19 मार्च 2020 | पृष्ठ-8, मूल्य -5 रुपए

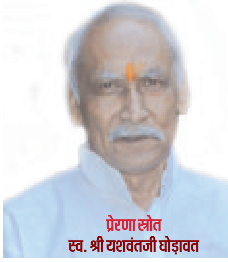

प्रेरणा स्रोत
स्व. श्री यशवंतजी घोड़ावत

सुविचार

अविश्वसनीय चीजें आसानी से की जा सकती है। यदि हम उन्हें करने के लिए प्रतिबद्ध है।

सद्गुरू जग्गी महाराज

पुलिस की लापरवाही : मामला बिगड़ा, मृतक के परिजनों ने दो बार किया हाइ-वे जाम

शराब ठेकेदार के गुर्गो ने की हत्या, मामले को दुर्घटना में बदलने का पुलिस कर रही है प्रयास

पुलिस के साथ झड़प, पुलिस चौकी और तहसीलदार की गाड़ी में तोड़फोड़

माही की गूंज, सारंगी। राकेश गेहलोत/संजय उपाध्याय

सोमवार देर रात पेटलावद थाना क्षेत्र की चौकी सांरगी से लगभग चार - पांच किलोमीटर दूर ग्राम नवापाड़ा में अवैध शराब से भरी पीकअप वाहन के दुर्घटना ग्रस्त होने और उसमें एक युवक की मौत की जानकारी सामने आई, लेकिन जैसे-जैसे दिन चढ़ता गया पुरा घटनाक्रम दुर्घटना से हटकर हत्या पर जा पहुंचा। मृतक के परिजनों द्वारा पहले सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पर शव पोस्टमार्टम के लिए लाया गया। जहां परिजनों ने घेराव कर पुलिस को शव पोस्टमार्टम से पूर्व पूरे मामले की मौके पर जांचकर हत्या का प्रकरण दर्ज करने की मांग की। मृतक के परिजनों का आरोप है कि उक्त पूरा मामला दुर्घटना का नही बल्कि हत्या का है।

परिजनों के अनुसार शराब ठेकेदार के लोगों द्वारा पुलिस की मौजुदगी में वाहन में सवार 3 व्यक्ति के साथ मारपीट व जानलेवा हमला किया। जिसमें सुरेश भूरिया को मौत के घाट उतार दिया और संजय हरीराम वसुनिया के लापता होने के साथ ही मनीष मैंड़ा को ठेकेदार के गुर्गे व पुलिस कर्मी पुलिस चौकी ले गए। जिसके के बाद इस पूरे मामले को दुर्घटना का रूप देने का प्रयास किया। मामले में घायल युवक की भी सांरगी शराब दुकान के ठेकेदार के लोगों द्वारा की गई मारपीट के कारण मौत होना बता रहे है। बावजूद पुलिस ने तत्काल प्रकरण दर्ज कर मामले को शांत करने की बजाए मामले में जांच और पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने का इंतजार करने की बात कह कर मृतक के परिजनों को समझाने का प्रयास करने लगी। जिसके बाद ग्रामीणों का आक्रोश बढ़ गया और मृतक के परिजन पेटलावद शासकीय अस्पलात से सांरगी चौकी पर पहुंचे और हाईवे पर चक्काजाम कर दिया। मामला बिगड़ता देख पुलिस के आला अधिकारियों सहित राजस्व के अधिकारियों ने

शराब ठेकेदार के गुर्गो एवं पुलिसकर्मी के विरूद्ध हत्या का अपराध दर्ज करने की मांग को लेकर ग्रामीणो ने किया चक्का जाम।

आक्रोशित ग्रामीणों ने पथराव कर तहसीलदार की गाड़ी को भी पहुंचाया नुकसान।

सांरगी चौकी पहुंच कर ग्रामीणों को समझाकर जाम हटाने का प्रयास किया। पुलिस ग्रामीणों को घटना स्थल की जांच के नाम पर समझाकर जाम खुलवाने में कामयाब रही लेकिन पुलिस की कार्रवाई किसी प्रकार से भी सही दिशा में नही होने के बाद मामला फिर से बिगड़ गया। मामले में जयस के कमलेश्वर डोडियार के आने के बाद ग्रामीणों ने एक बार फिर स्टेट हाईवे जाम कर दिया। उसके बाद स्थिती और गंभीर हो गई। ग्रामीणों ने पुलिस चौकी व स्टाफ पर पथराव शुरू कर दिया। पेटलावद तहसीलदार के वाहन में तोड़फोड़ की गई। पथराव मे एसडीओपी बबीता बामनिया को भी चोंट आई। पुलिस ने भीड़ को काबू करने के लिए आसु गैस के गोले छोड़े और भीड़ को खदेड़ कर मौके पर पथराव कर रहे ग्रमीणों की धरपकड़ शुरू कर दी। पुलिस द्वारा भीड़ को खदेड़ने के बाद मौके पर रखे कई दोपहियां वाहन जप्त कर लिए। जिसके बाद पुलिस पथराव करने वालों की पहचान करने में जुट गई है।

शराब दुकान बंद कर भागे ठेकेदार के गुर्गो ने खवासा में की पार्टी

घटना के बाद से शराब दुकान का संचालन कर रहे सभी लोग शराब दुकान बंद कर फरार हो गए। घटना में शराब ठेकेदार के लोगों के शामिल होने की जानकारी के बाद ही शराब दुकान पर ग्रामीणों का जमावड़ा लगना शुरू हो गया। जिसे देखते हुए शराब दुकान पर मौजूद कर्मचारी दूकान पर लगाकर भाग गए। समाचार लिखे जाने तक भी दुकान नहीं खुली थी। बताया जा रहा है कि घटना को अंजाम देने वाले शराब ठेकेदार के गूर्गे अपने आका मुकेश-अलकेश नायक के निर्देशन में घटना को अंजाम देने के बाद सारंगी से भाग करीब 15-20 लोग एरिया मेनेजर नीरज चौहान के साथ करवड़ से बामनिया होते हुए खवासा शराब दुकान की ऑफिस पर आए। मुकेश-अलकेश ने अपने सभी गुर्गों को आश्वस्त किया कि तुम्हारा कुछ नहीं होने देंगे। जिसके बाद शराब ऑफिस खवासा में सभी गुर्गों ने मांसाहार के साथ शराब पार्टी की और खाना खाया। जिसके बाद सभी गुर्गे देर रात में ठेकेदार के निर्देशन में अपने-अपने गंतव्य पर अलग-अलग रवाना हो गए।

घटना में पुलिस भी थी शामिल

मृतक सुरेश के पिता सोहन भूरिया निवासी नवापाड़ा का आरोप है कि घटना में सांरगी पुलिस भी शामिल है। पुलिस ने ही उनके पुत्र के वाहन के आगे आकर वाहन को रोका और साथ में आए शराब ठेकेदार के लोगों ने बूरी तरह से मारपीट शुरू कर दी। जिसमें सुरेश की मौके पर ही मौत हो गई। बाद में वाहन को पल्टी खिलाकर कर दुर्घटना बताने का प्रयास किया। मृतक के साथ वाहन में सवार घायल साथी मनीष पुना मैंड़ा निवासी उम्मेदपुरा ने भी ठेकेदार के लोगों द्वारा मारपीट होना बताया है। कहीं न कहीं मामले में संदिग्ध भूमिका होने के कारण ही पुलिस ने मामले में हत्या का प्रकरण दर्ज न करते हुए मृतक के परिजनों को शांत कर जांच का आश्वासन देना शुरू कर दिया। मृतक के परिजनों का तो यह भी आरोप है कि मामले का रूप पुरी तरह से बदलकर वाहन में शराब तक बाद में भरी गई है। आरोपों में कितनी सच्चाई है ये तो फिलहाल नहीं कहा जा सकता है। मगर इस बात से इंकार भी नहीं किया जा सकता कि अवैध शराब की सूचना पहले ठेकेदार तक और फिर पुलिस तक पहुंचती है। कई बार शराब ठेकेदार के पले हुए गुंडे, बिना पुलिस के ही मामले निपटा लेते है। तो कई बार पुलिस के सहयोग से अवैध शराब का सप्लाई करने वालों को पकड़ते है। चूंकि सांरगी चौकी के अंतर्गत पूर्व में भी शराब ठेकदार के लोगों और ग्रामीणों के बीच झड़प हो चुकी है। ठेकेदार के लोग ज्यादातर पुलिस को साथ लेकर ही अपना काम निपटाते थे। यहां भी देर रात हुए इस पुरे प्रकरण को अंजाम देते समय पुलिस की घटना स्थल पर मौजूदगी सम्भव हैं।

वाहन में नहीं हुआ नुकसान, वाहन के पीछे खून और चिपके मिले बाल

हत्या के पुरे मामले को पुलिस द्वारा दुर्घटना बताया जा रहा है, लेकिन सांरगी चौकी पर खड़े वाहन की दशा को देखकर पता चलता है कि मामला केवल दुर्घटना का नहीं हो सकता। दुर्घटना के बाद पुरी तरह से अच्छी हालत में वाहन क्रमाक एमपी 43 जी 1216 का केवल आगे का कांच फुटा है वो भी आधा। जबकि वाहन के पिछ्ले हिस्से मे खून के निशान साफ देखे जा सकते है, जिस पर बाल भी लगे हुए है। वाहन पर लगा खून और बाल किसके है और यहां कैसे आए, इस ओर पुलिस की कार्रवाई जाती है या नहीं, यह पुलिस की मंशा पर निर्भर करता है। मृतक के परिजनों का आरोप है कि पुलिस द्वारा घटना की जानकारी भी मृतक के परिजनो को नहीं दी और मौके से उठाकर पेटलावद ले जाया गया। जिसकी जानकारी भी परिजनों को बाद में ग्रामीणों से मिली।

देर शाम हुआ शव परीक्षण

दिन भर चली पुलिस और ग्रामीणों की झड़प के बाद मंगलवार देर शाम 06 बजे पोस्ट मार्टम कर शव पुलिस के सुपुर्द किया गया। मामले में खण्ड चिकित्सा अधिकारी एमएल चौपड़ा ने बताया कि शव का पोस्टमार्टम कर दिया है, लेकिन मौत का सही कारण रिपोर्ट आने के बाद ही पता चल सकेगा। बीएमओ चौपड़ा से प्रारंभिक तौर पर मौत का कारण जानने की कोशिश की गई लेकिन इस सवाल पर बीएमओ ने फिलहाल कुछ भी कहने से मना कर दिया।

शेष पृष्ठ क्रमांक 5 पर देखें.....

आदेशः सुप्रीम कोर्ट ने बागी विधायकों से मिलने से किया इनकार

बेंगलुरु, एजेन्सी। फ्लोर टेस्ट को लेकर दायर याचिका पर सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने बागी विधायकों से मिलने का मना कर दिया। कोर्ट न कहा कि विधायकों से मिलना उचित नहीं होगा। कोर्ट ने रजिस्ट्रार जनरल को भी बागी विधायकों से मिलने के लिए अनुमति देने से इन्कार कर दिया। मामले की अगली सुनवाई गुरुवार को सुबह 10.30 बजे होगी।

इससे पहले सुप्रीम कोर्ट में फ्लोर टेस्ट को लेकर दायर याचिका पर सुनवाई के दौरान कांग्रेस के 22 बागी विधायकों की ओर से वकील मनिंदरसिंह ने कहा कि, बागी विधायक किसी कांग्रेसी नेता से नहीं मिलना चाहते। उन्हें इसे लेकर बाध्य करने के लिए कोई कानून नहीं है। वे किसी कांग्रेसी नेता से नहीं मिलना चाहते। उन्होने कहा कि विचारधारा के कारण इस्तीफा दे दिया गया, कोर्ट उसकी पेचीदगियों में नहीं जा सकता, स्पीकर इस्तीफे पर अनिश्चित काल के लिए नहीं टाल सकते।

कोरोना वायरस के कारण वैष्णों देवी की यात्रा बंद

कटड़ा, एजेन्सी। देश में कोरोना वायरस के संक्रमण के मद्देनजर पूरी सतर्कता बरती जा रही है। वायरस का असर विश्व प्रसिद्ध माता वैष्णो देवी की यात्रा पर भी पड़ा है। कोरोना वायरस के प्रसार को रोकने के लिए जम्मू-कश्मीर सरकार ने श्री माता वैष्णो देवी यात्रा को तत्काल स्थगित कर दी है। श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड ने बुधवार को इस संबंध में आदेश जारी करते हुए दोपहर करीब दो बजे सभी यात्रा रजिस्ट्रेशन कांउटर बंद कर दिए।

केंद्रीय स्वास्थ्य, परिवार कल्याण मंत्रालय और जम्मू-कश्मीर सरकार द्वारा कोरोनवायरस के देश भर में बढ़ते मामलों को देखते हुए एहतियातन श्री माता वैष्णो देवी की यात्रा को बंद करने का फैसला लिया गया। अभी भी रोजाना हजारों की संख्या में श्रद्धालु यहां माता के दर्शनों के लिए पहुंच रहे हैं। ऐसे में उनकी सुरक्षा के लिए यह कदम उठाना गया। बोर्ड के सीईओ रोमेश कुमार ने श्रद्धालुओं से अनुरोध किया है कि स्थिति पूरी तरह सामान्य होने तक वे श्री माता वैष्णो देवी तीर्थस्थल पर न आएं।

कोरोना से बचाने के लिए इमरान खान के पास नहीं है पैसे

नई दिल्ली एजेन्सी। पाकिस्तान लगातार कोरोना वायरस की चपेट में आ रहा है। वर्तमान में वहां पर 301 मामलों की पुष्टि की गई है। इसमें सबसे अधिक सिंध से आए हैं जहां इसके मरीजों की संख्या 208 हो गई है। इसके अलावा पंजाब में 33, खैबर पख्तूनख्वां में 19, बलूचिस्तान में 23, इस्लामाबाद में 2 और गुलाम कश्मीर में भी 16 है। पाकिस्तान में इससे एक इंसान की मौत भी हो गई है,लेकिन इनको बचाने के लिए पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान के पास न तो पैसे हैं और न ही जरूरी इक्वीपमेंट्स। आपको सुनने में भले ही ये अजीब लगे, लेकिन सच यही है।

फ्लिपकार्ट का ऑर्डर रद्द कर लखपति बने 22 लोग

उमरिया,एजेन्सी। ऑनलाइन ठगी के मामले सामने आए दिन आ रहे थे लेकिन उमरिया जिले में एक नए तरह का मामला सामने आया है, जिसमें खाते से पैसे निकले नहीं हैं, बल्कि ज्यादा आ गए हैं। इस मामले में बैंक ने 22 खातों में कई बार रकम लौटा दी। इस गलती से लगभग एक करोड़ रुपये 22 खातों में चले गए और खाताधारकों ने उन रपयों को अपने उपयोग में भी ले लिया। अब बैंक इस रकम को वसूलने में लगा है। मामला उमरिया जिले के पिनौरा सेंट्रल बैंक का है। इस बैंक क्षेत्र के 22 लोगों के खातों में फ्लिपकार्ट (ई-कॉमर्स कंपनी) द्वारा लौटाई गई रकम तकनीकी त्रुटि के चलते एक बार के स्थान पर कई बार पहुंच गई। अब बैंककर्मी-अधिकारी खाताधारकों के घर के चक्कर लगा रहे हैं। ऐसा हम नहीं कह रहे हैं, बल्कि ऐसा खुद इमरान खान के बयानों से स?पष?ट हो रहा है। दरअसल, उन?होंने कोरोना वायरस के बढ़ते प्रकोप के मद्देनजर ये गुजारिश भी की कि गरीब देशों के ऋष्ण को माफकर दिया जाए और उन?हें रियायत दी जाए। इसके अलावा मंगलवार को जब उन?होंने टीवी पर देश के नाम अपना संबोधन दिया था तब भी उन?होंने ये बात बेहद साफकर दी थी कि पाकिस?तान बेहद गरीब मुल?क है। लिहाजा यहां पर दूसरे देशों की तरह हर चीज पर तालाबंदी या नेशनल शटडाऊन नहीं किया जा सकता है। यदि ऐसा किया गया तो लोग भूखे मरने लगेंगे। इससे भी पहले पाकिस?तान में इस वायरस से निपटने के लिए जरूरी चीजों की कमी की भी बात सामने आई थी।

2 दिन चला बंगाली के यहां इलाज, तीसरे दिन चोयल हॉस्पिटल में किशोर की उपचार के दौरान हुई मौत

माही की गूंज खवासा।

क्षेत्र के ग्राम कदवाली का किशोर गौतम पिता कालू उम्र 18 वर्ष जिसकी 1 माह पूर्व ही नरसिंगपाड़ा में सिंगाड परिवार की लड़की कविता के साथ शादी हुई थी। जिसको 2 दिन पूर्व मामूली सिर दर्द हुआ और भामल में बंगाली के यहां 2 दिनों तक इलाज चलता रहा। झोलाछाप बंगाली किशोर गौतम की बीमारी पर पकड़ नहीं कर पाया और मंगलवार देर रात्रि में सिर दर्द व हाथ-पैर में दर्द के साथ हाथ-पैर में खिंचावपन होने लगा। इलाज हैतू बंगाली को छोड़ परिजन बामनिया प्रा. स्वा. केंद्र उपचार हेतु ले गए, जहां प्राथमिक उपचार कर डॉक्टर ने आगे ले जाने को कहा। जिस पर परिजन पेटलावद-रायपुरिया मार्ग पर नवनिर्मित डॉक्टर मंडलोई के अस्पताल ले गए, यहाँ भी मरीज की स्थिति को देख आगे ले जाने को कहा। जिसके बाद परिजन मरीज को पेटलावद के चोयल हॉस्पिटल ले गए, जहां जांच करने पर हिमोग्लोबिन 18, काउंट 30 हजार के लगभग था। गौतम का उपचार चालू किया और एक बाटल भी नहीं चढ़ पाई और गौतम की असमय मौत हो गई।

परिजनों की समझ से बाहर हो रहा है कि आखिर ऐसी क्या बीमारी थी, जिससे मामूली सिर दर्द के साथ हाथ-पैर में खिंचाव होने के साथ उसकी मौत हो गई?

उक्त जानकारी गूंज को मिलने पर डॉक्टर गोपाल चोयल जो कि पेटलावद के शासकीय सामुदायिक चिकित्सालय के सरकारी डॉक्टर है। जिनसे गूंज ने जानकारी ली कि, निजी चोयल हॉस्पिटल में गौतम की मौत किस बीमारी से हुई तो, डॉ गोपाल चोयल ने बताया, किस बीमारी से मौत हुई इसकी पूरी जांच नहीं की, परंतु उसकी जांच करने पर उसको ब्लड की प्रॉब्लम थी, उसका हीमोग्लोबिन 18, जो कि अधिक था जिसका काउंट 30 हजार के लगभग था, जिससे साईंथीफिमिया होने से उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई।

कोरोना वायरस जैसा तो नहीं था? नहीं कोरोना वायरस, विदेश से कोई व्यक्ति आएगा या यहां का व्यक्ति उससे संपर्क में आया हो ऐसी कोई चैन मिलना चाहिए, ऐसा कुछ नहीं है।

क्षेत्र में एक्सप्रेस वे 8 लेन का कार्य चल रहा है, उक्त मार्ग पर कई राज्य से व्यक्ति आकर यहां कार्य कर रहे हैं, कभी उसके संपर्क में आया हो तो? ऐसा कोई पता मैंने नहीं लगाया।

एक स्वस्थ व्यक्ति गौतम मामूली सिर दर्द के साथ उसकी मौत हो गई और उसकी मौत तक का कारण पूरे विश्व में कोरोना वायरस के हा-हाकार के बाद भी जानने का प्रयास नहीं करना भी स्वास्थ्य विभाग की बड़ी लापरवाही दर्शाता है।

माना जा रहा है कि, बंगाली डॉक्टर दो दिन तक मामूली बीमारी समझ कर इलाज नहीं कर, इलाज हेतु आगे ले जाने को कह देता तो भी शायद उन दो दिनों में बड़ी जगह उपचार होने पर गौतम की बीमारी पकड़ में आकर उसका उपचार हो सकता था, और हो सकता है आज उसकी मौत ना होती और वह हम सबके बीच में रहता।

नाबालिक दूल्हा पहुंचा परीक्षा देने

केन्द्राध्यक्ष ने परीक्षा के बाद पिछले रास्ते से किया दूल्हे को रवाना

माही की गूंज उमेश मालवीय।

शासन द्वारा नाबालिक शादी को रोकने के लिए कई प्रयास किए जा रहे हैं व क्षेत्र में अनुमन नाबालिक शादी नहीं होने का दावा भी प्रशासन करता रहा है। तो वही स्कूली शिक्षा के दौरान छात्र-छात्राओं को सही उम्र में विवाह करने की शिक्षा दी जाती है। पूर्व एसपी महेशचंद्र जैन ने भी एक विशेष अभिमान के तहत स्कूलों का खासकर कन्या स्कूलों का दौरा किया और छात्राओं को अच्छी शिक्षा ग्रहण करने की प्रेरणा के साथ जहां-जहां महेशचंद्र जैन ने कन्या शालाओ में आयोजन रखें वहां छात्राओं को अपनी पूरी शिक्षा ग्रहण करने एवं विशेष रूप से स्कूली शिक्षा के दौरान किसी भी लड़के से गलत संबंध नहीं जोड़ें, जिससे अपना भविष्य खराब हो व शिक्षा से भी वंचित होना पड़े, ऐसा होने पर अपना ही भविष्य खराब होना तय है। साथ ही कम से कम 12 वीं तक की शिक्षा ग्रहण करने के बाद बालिक होने पर विवाह करने के लिए समझाइश देकर प्रेरित किया था। कोई नाबालिक लड़के-लड़की की शादी करवाता है तो उसकी सूचना पुलिस को दें, बताया जाता था। इसी अपने अभियान के तहत महेशचंद्र जैन ने खवासा की कन्या शाला स्कूल में भी आयोजन रखा था, लेकिन फिर भी छात्राएं अपना भविष्य खराब करते नजर आ रही है।

बताया जा रहा है कि दो-तीन माह पूर्व कन्या शाला की एक नाबालिक छात्रा गांव के ही एक लड़के के साथ घर से स्कूल जा रही हूं, कहकर चली गई। जिसके कुछ दिनों बाद लड़की के परीजन पुलिस के माध्यम से लड़की को ढूंढ कर लाने के बाद छात्रा को मामा परिवार के यहां छोड़कर वह स्कूली शिक्षा से वंचित हो गई और अपना भविष्य को गर्त में ले गई। तो वहीं भामल हाईस्कूल का एक 10वीं का छात्र 16 मार्च को परीक्षा केंद्र शासकीय बालक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय खवासा में हल्दी-पीठी लगाकर हाथ में तलवार लेकर दूल्हा बन विज्ञान का पेपर देने पहुंचा। जब उक्त जानकारी माही की गूंज को पता चली कि, एक नाबालिक दुल्हा परीक्षा देने स्कूल पहुंचा, जिसके बाद गूंज प्रतिनिधि परीक्षा केंद्र शासकीय बालक उमावि खवासा पहुंचा और महिला केंद्राध्यक्ष प्रेमलता निनामा से नाबालिक दूल्हे से परीक्षा देने की बात पूछी व उसका फोटो खींचने की बात कही, जिस पर केन्द्राध्यक्ष बौखला गई और फिर कहने लगी, मुझे तो मालूम ही नहीं कोई नाबालिक दूल्हा परीक्षा देने आया। बाद में कहने लगी परीक्षा के बाद बाहर फोटो खींच लेना। प्रतिनिधि परीक्षा खत्म होने तक बाहर गेट पर ही खड़ा रहा, परंतु सभी परीक्षार्थी परीक्षा देकर रवाना हो गए, पर वह दूल्हा गेट के बाहर आया ही नहीं। बाद में पता चला कि, बड़ी चतुराई के साथ केंद्राध्यक्ष व सहायक केंद्राध्यक्ष सीसीलीना मनोरमा ने नाबालिक दूल्हे को परीक्षा के बाद स्कूल के पीछे रास्ते से ही रवाना करवा दिया। जिसके बाद अपने आप को सही साबित करने हेतु स्कूल के एक वरिष्ठ शिक्षक को केंद्राध्यक्ष ने फोन लगा कर कहा, मैं माही की गूंज के प्रतिनिधि को नहीं पहचानती थी, इसलिए फोटो नहीं खींचने दिया, पर गेट के बाहर भी दुल्हा जब अपने परिजन के साथ बाइक पर बैठकर गया तो फोटो गूंज प्रतिनिधि ने नहीं खींचा, आखिर क्यों? कहकर गुमराह करने की कोशिश की।

वरिष्ठ शिक्षक ने गूंज कार्यालय में फोन लगाकर स्कूल में प्रतिनीधी के आने का कारण जाना व केंद्राध्यक्ष द्वारा कही गई बात को बताया, जिसमें केंद्राध्यक्ष द्वारा गुमराह करने की बात कही गई। गूंज ने नाबालिक दूल्हा उर्फ परीक्षार्थी की उम्र जानी तो भामल स्कूल के स्कॉलर रजिस्टर में 918 नंबर पर दर्ज नाबालिक दूल्हे की जन्म दिनांक 14 मार्च 2004 अंकित है, यानी दूल्हे की उम्र जन्म दिनांक के अनुसार 16 वर्ष ही है। केन्द्राध्यक्ष चाहती तो अपनी कर्तव्यनिष्ठा के साथ दूल्हे एवं परिजनों को बुलाकर नाबालिक उम्र में शादी नहीं करने की समझाईश देकर अपने वरिष्ठ अधिकारियों को सूचना कर व उनके द्वारा भी समझाइस दी जाती तो, तय था शायद यह एक नाबालिग विवाह समझाईश के साथ रोका जा सकता था, लेकिन केंद्राध्यक्ष ने इसे पूर्ण तरह से नजर अंदाज कर अपने नैतिक धर्म को नहीं निभाया।

मध्यप्रदेश का सियासी ड्रामा

भाजपा और सिंधिया पर साधा निशाना

दिग्विजय की याचिका कर्नाटक हाईकोर्ट में खारिज

भोपाल

मध्य प्रदेश में कांग्रेस से बागी हुए ज्योतिरादित्य सिंधिया गुट के 22 विधायक 10 दिन से बेंगलुरु में हैं। फ्लोर टेस्ट को लेकर जारी घमासान के बीच कांग्रेस अब बागियों को मनाने की कोशिश में है। इसके लिए बुधवार सुबह पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह और कमलनाथ सरकार के कुछ मंत्री बेंगलुरु पहुंच गए। लेकिन कर्नाटक पुलिस ने उन्हें रमादा होटल के बाहर ही रोक दिया। इसके बाद सभी कांग्रेस नेता सड़क पर धरने पर बैठ गए। इन नेताओं को अमृतहल्ली थाने ले जाया गया। बेंगलुरु पुलिस दिग्विजय सिंह समेत अन्य कांग्रेस नेताओं को हिरासत में लेने के बाद पुलिस स्टेशन लेकर पहुंची। यहां वे भूख हड़ताल पर बैठ गए मुख्यमंत्री कमलनाथ ने पुलिस की इस कार्रवाई को हिटलरशाही बताया है।

उन्होंने कहा कि अगर जरूरत पड़ी तो मैं भी उन विधायकों से मिलने बेंगलुरु जाऊंगा। कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष डीके शिवकुमार ने कहा कि राज्य की भाजपा सरकार अपनी शक्तियों का दुरुपयोग कर रही है। हमारी अपनी राजनीतिक रणनीति है, हमें पता है कि स्थिति को कैसे संभाला जाता है। दिग्विजय सिंह ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में भारतीय जनता पार्टी पर आरोपों की बौछार कर दी दिग्विजय ने कहा, "बीजेपी मध्य प्रदेश में जो कर रही है, वह लोकतंत्र की हत्या है। उन्होंने कहा कि हम मध्य प्रदेश में बहुत शानदार तरीके से सरकार चला रहे थे, लेकिन हमें ज्योतिरादित्य सिंधिया ने धोखा दे दिया। वहीं दूसरी ओर सिंह की ओर से दाखिल बेंगलुरु में ठहरे कांग्रेस विधायकों से मुलाकात कराने का स्थानीय पुलिस को निर्देश देने की मांग वाली याचिका को कर्नाटक हाईकोर्ट ने खारिज कर दिया।

बागी विधायकों को मनाने पहुंचे दिग्विजय सिंह सुबह हिरासत में, शाम को विधायकों से मिलने लगाई याचिका

हमें ज्योतिरादित्य सिंधिया ने धोखा दिया भाजपा मप्र में लोकतंत्र की हत्या कर रही

दिग्विजय सिंह बोले, 5 विधायकों का मुझसे हुआ संपर्क

बेंगलुरु में बागी विधायकों से मिलने पहुंचे दिग्विजय सिंह ने पुलिस हिरासत में कहा कि हम अपने विधायकों को वापस लाने की कोशिश कर रहे हैं। मेरा 5 विधायकों से संपर्क हुआ है, उन्हें बंधक बनाकर रखा गया है, दबाव में उनसे बयान दिलवाए जा रहे है। उनके मोबाइल फोन भी छीन लिए गए हैं। होटल के अंदर हर रूम के बाहर पुलिस को तैनात किया गया है। हमेशा उन पर नजर रखी जा रही है।

मेरे पास न बम है, न पिस्तौल, फिर क्यों रोका

दिग्विजय सिंह ने कहा, पुलिस हमें विधायकों से मिलने नहीं दे रही है। मैं मध्य प्रदेश का राज्यसभा उम्मीदवार हूं। 26 तारीख को राज्यसभा चुनाव के लिए विधानसभा में वोटिंग होनी है। हमारे विधायकों को यहां होटल में बंधक बनाकर रखा गया है। वे हमसे बात करना चाहते हैं, लेकिन उनके मोबाइल छीन लिए गए। भाजपा नेता अरविंद भदौरिया और कुछ गुंडे अंदर हैं। विधायकों की जान को खतरा है। मेरे पास हाथ में न बम है, न पिस्तौल और न ही कोई हथियार है। फिर भी पुलिस मुझे क्यों रोक रही है। मुझे मिलवा दें, उसके बाद चला जाऊंगा। इसमें क्या परेशानी है।

मैं भाजपा के राज में पुलिस से नहीं डरता

पुलिस हिरासत में दिग्विजय ने कहा, "बेंगलुरु में तो भाजपा की सरकार है। पुलिस भी उन्हीं के इशारे पर काम कर रही है। मुझे तो भाजपा के राज में भी उनकी पुलिस के बीच डर नहीं लग रहा। लेकिन भाजपा नेताओं को किस बात का डर है, क्या वे खुद अपनी पुलिस से डर रहे हैं? मैं यहां गांधीवादी तरीके से अपने विधायकों से मिलने आया हूं। उम्मीद है कि वे जल्द लौट आएंगे। 5 विधायकों ने मेरी बात हुई तो उन्होंने बंधक होने की जानकारी दी। होटल में 27 घंटे पुलिस का पहरा है। विधायकों की हर गतिविधि पर नजर रखी जा रही है।"

- दिग्विजय कांग्रेस नेताओं के साथ विधायकों से मिलने होटल गए, रोके जाने पर धरने पर बैठे
- बागी विधायकों ने मंगलवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर मुख्यमंत्री कमलनाथ पर गंभीर आरोप लगाए थे

येदियुरप्पा सरकार सरकारी मशीनरी का दुरुपयोग कर रही'

दिग्विजय के अलावा मंत्री तरुण भनोत, सज्जन सिंह वर्मा, हर्ष यादव, विधायक कांतिलाल भूरिया, आरिफ मसूद, कुणाल चौधरी भी बेंगलुरु गए हैं। यहां पहुंचने पर कर्नाटक कांग्रेस के अध्यक्ष डीके शिवकुमार उन्हें लेने पहुंचे थे। शिवकुमार ने येदियुरप्पा सरकार पर सरकारी मशीनरी के दुरुपयोग का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि हमारी भी अपनी रणनीति है। मौजूदा हालात में मध्य प्रदेश के कांग्रेस नेता यहां अकेले नहीं हैं। मैं हमेशा उनके साथ खड़ा हूं। हम चाहते हैं कि कर्नाटक में कानून व्यवस्था नियंत्रण में रहे।

बागी विधायकों ने कहा

ऐसी कांग्रेस में नहीं रहेंगे जिसमें दिग्विजय सिंह

सिंधिया समर्थक विधायकों ने एक बार फिर से वीडियो जारी किया है। सिंधिया समर्थक विधायकों ने वीडियो जारी कर मध्यप्रदेश के पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह को करारा जवाब दिया है। सिंधिया समर्थक नेताओं ने कहा कि हम दिग्विजय सिंह से नहीं मिलना चाहते हैं। हम कर्नाटक पुलिस से अपील करते हैं कि वो हमें सुरक्षा प्रदान करें हम दिग्विजय सिंह के साथ नहीं जाना चाहते हैं। वहीं, मध्यप्रदेश की पूर्व महिला एवं बाल विकास मंत्री इमरती देवी ने कहा कि हम उस कांग्रेस में नहीं रहना चाहते हैं जिस कांग्रेस में दिग्विजय सिंह हों। ग्वालियर पूर्व से कांग्रेस विधायक मुन्ना लाल गोयल ने कहा- मैं बेंगलुरु अपनी स्वेच्छा से आया हूं। मुझे पता चला है कि मध्यप्रदेश के पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह हमसे मुलाकात करने आए हैं लेकिन हम उनसे कोई मुलाकात नहीं करना चाहते हैं। उन्होंने ने भी कहा कि दिग्विजय सिंह ने ही मध्यप्रदेश में कांग्रेस का बंटाधार किया है।

सुमावली से कांग्रेस विधायक एंदल सिंह कंषाना ने कहा कि हम अपनी मर्जी से यहां आए हैं और व अपनी ही मर्जी से जाएंगे। एक साल तक हमने इनसे बहुत बात कर ली जब उन्होंने एक साल में हमारी बात नहीं सुनी तो एक दिन में दिग्विजय सिंह हमारी कौन सी बात सुन लेंगे। हमें दिग्विजय सिंह से कोई मुलाकात नहीं करनी है। विधायक राज्यवर्धन सिंह दत्तीगांव ने कहा- मैंने पूर्व में ही कहा था कि मैं कांग्रेस के किसी नेता से नहीं मिलना चाहता हूं। उन्होंने कहा कि मैं कर्नाटक पुलिस से अपील करता हूं कि हमारी सुरक्षा बढ़ाई जाए जिस तरह से सिंधिया जी पर हमला हो सकता है उसी तरह हम पर भी हमला हो सकता है। इसलिए हम चाहते हैं कि हमें सुरक्षा दी जाए। उन्होंने कहा कि हम कांग्रेस के किसी भी नेता से मुलाकात करने की स्थिति में नहीं हैं।

दिग्विजय सिंह के कारण ही हम मध्यप्रदेश से भागे

पूर्व मंत्री इमरती देवी ने कहा- मैं अपनी स्वेच्छा से बेंगलुरु आई हूं और दिग्विजय सिंह के कारण ही हम मध्यप्रदेश से भागे हैं। हम ऐसी पार्टी में नहीं जाना चाहते हैं जिसमें दिग्विजय सिंह हों। हमें बेंगलुरु में सुरक्षा प्रदान की जाए। पूर्व मंत्री गोविंद सिंह राजपूत और डॉ. प्रभुराम चौधरी ने कहा कि हम अपनी स्वेच्छा से यहां आए हैं और हम कांग्रेस के किसी भी नेता से मुलाकात नहीं करना चाहते हैं।

नरोत्तम मिश्रा ने कहा-

जल्दबाजी में लिए गए सभी फैसले करेंगे निरस्त

भाजपा नेता नरोत्तम मिश्रा ने कहा कि कमलनाथ सरकार गिरने के डर से जल्दबाजी में फैसले लिए जा रहे हैं। पदों पर नियुक्ति के साथ ट्रांसफर भी किए जा रहे हैं। सरकार अभी अल्प मत में है और ऐसे में वह कोई फैसले नहीं ले सकती। इस दौरान लिए गए सभी फैसलों को निरस्त किया जाएगा।

...तो अमिताभ को हो जाती छुट्टी

मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह द्वारा बेंगलुरु पहुंचकर विधायकों से मुलाकात करने की कोशिशों पर भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव कैलाश विजयवर्गीय ने तंज कसा है। उन्होंने कहा कि अगर दिग्विजय सिंह बॉलीवुड में होते तो अमिताभ बच्चन की भी मात दे देते। विजयवर्गीय ने दिग्विजय सिंह के बेंगलुरु पहुंचकर धरना देने पर बुधवार को ट्वीट कर तंज कसा और कहा बेंगलुरु में नौटंकी, हमारा सौभाग्य है कि यह माननीय राजनीति में है। यदि बॉलीवुड में होते तो अमिताभ बच्चन की भी मात कर देते!

भाजपा मुख्यालय पर कार्यकर्ताओं से भिड़े कांग्रेस नेता, पथराव और हाथापाई भी हुई, धारा 144 लागू

भोपाल। बेंगलुरु में कांग्रेस नेताओं को पुलिस हिरासत में लिए जाने के विरोध में भाजपा कार्यालय का घेराव करने जा रहे कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने जमकर प्रदर्शन किया। बुधवार शाम कांग्रेस कार्यकर्ता बैरिकेड तोड़कर भाजपा कार्यालय की तरफ पहुंचे, तभी दोनों पार्टी के कार्यकर्ता भिड़ गए। मौके पर जमकर पथराव हुआ। दोनों पार्टी के कार्यकर्ताओं के बीच झूमाझटकी हुई। इसमें कई लोगों के घायल होने की सूचना है।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी निलंबित

भोपाल। आयुक्त नगरीय प्रशासन एवं विकास ने पन्ने सिंह सोलंकी, मुख्य नगर पालिका अधिकारी, नगर परिषद, तराना, जिला उज्जैन को प्रभाव से निलंबित कर दिया है। सोलंकी पर कार्यालय से अनुपस्थित रहने एवं नगर परिषद के आवश्यक कार्यों एवं महत्वपूर्ण योजनाओं के क्रियान्वयन में लापरवाही बरतने के आरोप में यह कार्यवाही की गई है। सोलंकी का निलंबन अवधि के दौरान मुख्यालय संभागीय कार्यालय, संयुक्त संचालक, नगरीय प्रशासन एवं विकास उज्जैन संभाग उज्जैन रहेगा।

शौर्य स्मारक आगामी आदेश तक बंद

भोपाल। नोवल कोरोना वायरस के संक्रमण की रोकथाम के लिये भोपाल स्थित शौर्य स्मारक को आगामी आदेश तक दर्शकों के लिये बंद कर दिया गया है। स्मारक में कार्यरत कर्मचारी यथावत कार्यालय पर उपस्थित रहेंगे।

कांग्रेस विधायकों ने राज्यपाल को ज्ञापन सौंप की मांग

बंधक विधायकों को मुक्त कराने संवैधानिक प्रभाव का उपयोग करें

भोपाल

मप्र में सियासी उठापटक के बीच बुधवार को कांग्रेस के करीब 70 विधायक राज्यपाल लालजी टंडन से मिलने राजभवन पहुंचे। कांग्रेस ने बेंगलुरु में मौजूद बागी विधायकों को भोपाल लाने के लिए राज्यपाल को ज्ञापन सौंपा। उन्होंने उनसे मांग की है कि बेंगलुरु में बंधक विधायकों को मुक्त कराने के लिए आप अपने संवैधानिक प्रभाव का उपयोग करते हुए आवश्यक कार्यवाही करने का कष्ट करें। राज्यपाल को सौंपे गए कांग्रेस के ज्ञापन में कहा गया है कि बेंगलुरु में भाजपा

ने कांग्रेस के 16 विधायकों को बंधक बनाकर रखा है। इन्हें मुक्त कराने के लिए मुख्यमंत्री कमलनाथ भी आपसे निवेदन कर चुके हैं। बुधवार को बेंगलुरु में दिग्विजय सिंह समेत कुछ विधायक पहुंचे। वे वहां राज्यसभा उम्मीदवार होने के नाते बातचीत करना चाहते थे।

107 भाजपा विधायक सुरक्षित हैं, तो 16 क्यों नहीं सुरक्षित रहेंगे

गृह मंत्री बाला बच्चन ने कहा कि मध्य प्रदेश सरकार ने बेंगलुरु में ठहरे विधायकों के भोपाल आने पर पुख्ता इंतजाम कर रखे हैं। इनके बावजूद वे जहां से चाहें, सुरक्षा ले सकते हैं। सरकार को आपत्ति नहीं है। वहीं, दिग्विजय सिंह ने कहा- जब 107 भाजपा के विधायक मध्यप्रदेश की धरती पर सुरक्षित हैं, तो ये 16 विधायक सुरक्षित क्यों नहीं रहेंगे?

राजभवन से वापस होटल आए विधायक

इससे पहले होटल मैरियट से विधायक दो बसों में बैठकर राजभवन पहुंचे। कांग्रेस विधायक पिछले 4 दिन से मैरियट होटल में हैं। कांग्रेस और भाजपा दोनों खेमों की नजर अब सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर टिकी है। पूर्व केंद्रीय मंत्री पवन बंसल भी होटल पहुंचे। यहां उन्होंने कांग्रेस विधायकों से मुलाकात की। इससे पहले होटल से बाहर निकलने के दौरान कांग्रेस विधायकों ने बातचीत में कहा कि बेंगलुरु में विधायकों को बंधक बनाकर रखा हुआ है। वे जब भी यहां आएंगे, हमारे साथ ही खड़े नजर आएंगे।

सीहोर के ग्रेसेस रिजॉर्ट में भाजपा विधायकों से मिले वीडी शर्मा

भाजपा विधायकों की कोरोना स्क्रीनिंग

भोपाल

मध्यप्रदेश में सीटों के जुगत-भाग के बीच रिजॉर्ट पॉलिटिक्स जारी है। कांग्रेस के विधायक होटल मैरियट में 4 दिनों से ठहरे हुए हैं। वहीं, भाजपा के करीब 100 विधायक भी तीसरे दिन सीहोर के ग्रेसेस रिजॉर्ट और क्रिसेंट रिजॉर्ट में हैं। बुधवार सुबह मध्यप्रदेश भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा रिजॉर्ट पहुंचे। वे विधायकों के साथ बातचीत करते हुए नजर आए। कुछ देर बाद शिवराज सिंह चौहान और नरोत्तम मिश्रा भी पहुंच गए। भाजपा का पूरा खेमा सुप्रीम कोर्ट के फैसले के इंतजार में है। बुधवार सुबह रिजॉर्ट में विधायकों की कोरोना स्क्रीनिंग के लिए डॉक्टरों की एक टीम पहुंची है। टीम ने सभी विधायकों के

हेल्थ की जांच की। ग्रेसेस रिजॉर्ट के शेफ सुनील और राहुल ने बुधवार को विधायकों को नमकीन पोहा, सेवई, इडली और आलू के पराठे परोसे। इन दोनों पर ही विधायकों के नाश्ते से लेकर लंच और फिर डिनर तक की पूरी जिम्मेदारी है।

दिग्विजय सिंह बड़े ड्रामेबाज: शिवराज

शिवराज सिंह ने रिजॉर्ट के बाहर मीडिया से बातचीत की। दिग्विजय सिंह के बेंगलुरु जाने से जुड़े सवाल पर उन्होंने कहा, 'दिग्विजय सिंह देश के सबसे बड़े ड्रामेबाज हैं। अब उन्हें विधायकों की याद आ रही है। कमलनाथ सरकार ने प्रदेश को तबाह और बर्बाद किया। अब सीएम कमलनाथ हड़बड़ी में हैं। कल तक कोई फैसला नहीं किया। अब बड़े-बड़े फैसले ले रहे हैं।

गुलाब का फूल लेकर रिजॉर्ट पहुंचे सीहोर कांग्रेस कार्यकर्ता

दोपहर करीब 3 बजे करीब 50 से ज्यादा कांग्रेस कार्यकर्ता हाथ में गुलाब का फूल लेकर क्रिसेंट रिजॉर्ट पहुंच गए। उनका कहना था कि वह अपने विधायकों से मिलना चाहते हैं और गांधीवादी तरीके से उन्हें मनाना चाहते हैं कि वे लोकतंत्र की हत्या नहीं करें। जब क्रिसेंट रिजॉर्ट में पुलिस ने उन्हें मिलने नहीं दिया तो वह ग्रेसेस रिजॉर्ट की तरफ बढ़ने लगे। रास्ते में ही पुलिस ने उन्हें रोक लिया। इसके बाद कांग्रेस कार्यकर्ता धरने पर ही बैठ गए और रघुपति राघव राजाराम... गाने लगे।

पीडीएस की राशन दुकानों को कोरोना वायरस से मुक्त रखें

भोपाल

राज्य शासन ने सार्वजनिक वितरण प्रणाली की राशन दुकानों पर उपभोक्ताओं को नोवल कोरोना वायरस के संक्रमण से बचाने के लिए विस्तृत दिशा-निर्देश जारी किए हैं। राशन विक्रेता के लिए मॉस्क और सेनेटाइजर का उपयोग आवश्यक कर दिया गया है।

संचालक खाद्य-नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण अभिताभ लवानिया द्वारा राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम 2013 के अन्तर्गत राशन दुकानों के विक्रेताओं से कहा गया है कि दुकान नियमित रूप से खोलें और पात्र परिवारों को सतत रूप से राशन का वितरण करें। दुकान पर अधिक उपभोक्ता एक साथ एकत्रित न हों तथा वे एक-दूसरे से आवश्यक दूरी पर रहें। राशन वितरण करते समय हितग्राहियों के मध्य न्यूनतम 3 मीटर की दूरी रखी जाए।

सेनेटाइजर से साफ करने के दिए निर्देश

राशन दुकानों के विक्रेताओं से कहा गया है कि बायोमैट्रिक सत्यापन के आधार पर प्रत्येक उपभोक्ता को राशन वितरण के बाद मशीन के स्केनर को सेनेटाइजर से साफ कराया जाए। इसके लिये दुकान पर पर्याप्त मात्रा में सेनेटाइजर रखा जाए। जिन उपभोक्ताओं को बायोमैट्रिक सत्यापन में कठिनाई होती है, उन्हें आगामी माह में भी राशन प्राप्त करने की सुविधा प्रदान करें। पीडीएस की प्रत्येक दुकान पर विक्रेता और सहयोगी भी राशन वितरण करते समय मास्क का उपयोग अवश्य करें।

विधानसभा अध्यक्ष के पत्र का राज्यपाल ने तड़के तीन बजे दिया जवाब

आपने किन नियमों के तहत मुझसे कुछ सवाल जानने चाहे?

भोपाल

मध्यप्रदेश विधानसभा अध्यक्ष एनपी प्रजापति द्वारा विधायकों की सुरक्षा की मांग संबंधी राज्यपाल लालजी टंडन को लिखे पत्र का जवाब देते हुए राज्यपाल ने कहा है कि लगता है आपने मुझे त्रुटिवश यह पत्र भेज दिया। सुरक्षा का दायित्व कार्यपालिका का है और आप उससे ही सुरक्षा चाहते होंगे। स्पीकर के सवालों पर राज्यपाल ने कहा-बताएं किन नियमावली के तहत मुझसे यह अपेक्षा की गई है? टंडन ने प्रजापति से यह भी पूछा कि आपने किन नियमों के तहत मुझसे कुछ सवालों के जवाब जानने की अपेक्षा की, यह बताने का कष्ट करें।

गौरतलब है कि स्पीकर प्रजापति ने मंगलवार को राज्यपाल को पत्र लिखकर बेंगलुरु में मौजूद उन 16 विधायकों की सुरक्षा पर चिंता जताई थी

जो पिछले एक हफ्ते में एक से अधिक बार बयान दे चुके कि वे सुरक्षित हैं और बगैर किसी दबाव के बेंगलुरु में हैं। मध्यप्रदेश में चल रहे सत्ता के संकट को लेकर मुख्यमंत्री और राजभवन के बीच चल रहे "पत्र-युद्ध" के बीच विधानसभा अध्यक्ष ने राज्यपाल को मंगलवार को पत्र लिखा था जिसका जवाब राज्यपाल ने आज तड़के 3 बजे भेजा। राज्यपाल ने कहा कि विधायकों की सुरक्षा के संबंध में आपकी चिंता की प्रशंसा करता हूं, 8-10 दिन से आप जिस पीड़ा से गुजर रहे होंगे उसका मुझे अंदाजा है।

22 में से 6 विधायकों के इस्तीफे स्वीकार किए जाने की निर्णय को महत्वपूर्ण बताया। साथ ही तंज कसा कि आप इससे जुड़ी प्रक्रिया से अवगत हैं ही और यह भी बताया बाकी विधायकों के त्यागपत्र आवेदन के निराकरण में आपको हो रही असमंजस का मुझे आभास भी है। त्यागपत्र विधायकों से राज्यपाल को मिल रहे पत्रों का भी जिक्र करते हुए उन्होंने बताया कि विधायकों ने मुझे अपनी किसी समस्या का जिक्र नहीं किया। उनके वीडियो लगातार मीडिया में भी आ रहे हैं और अब वे सर्वोच्च न्यायालय में भी पहुंच गए हैं। राज्यपाल ने स्पीकर से यह भी कहा कि मुझे हर्ष होगा कि किसी भी रूप में आपकी वर्तमान चिंता और कष्ट का समाधान कर सकूं।

विधायकों के लिए चिंतित हूं, डर दूर करें: स्पीकर

विधानसभा अध्यक्ष प्रजापति ने राज्यपाल टंडन को पत्र लिखा था, मुझे दूसरे लोगों के माध्यम से 16 विधायकों के इस्तीफे मिले हैं। विधायकों को सदन के नियमों के अनुसार व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होने के लिए कहा गया था, लेकिन उनमें से किसी ने भी उसका पालन नहीं किया। इस्तीफों पर विचार चल रहा है। उनमें से कुछ विधायकों के परिजन ने उनकी सुरक्षा को लेकर चिंता जताई है। मैं उन विधायकों के लिए चिंतित हूं और आपसे अनुरोध करता हूं कि उनके डर को दूर करने के लिए कोई ठोस कदम उठाएं।

नगर परिषद की आरक्षण सूची जारी

माही की गूंज, मेघनगर। सन 2016 में ग्राम पंचायत से नगर परिषद बनी मेघनगर परिषद का कार्यकाल समाप्त होते ही परिषद में प्रशासक के तौर पर मेघनगर एसडीएम पराग जैन ने चार्ज सम्भाल रखा हैं। आने वाले समय में अब मेघनगर नगर परिषद के चुनाव होना हैं। जिसे लेकर मेघनगर नगर परिषद के वार्डो के आरक्षण की अंतिम सूची जारी कर दी गई है। वहीं मध्यप्रदेश की कमलनाथ सरकार पर संकट के बादल मंडरा रहे है लेकिन यहां मेघनगर में राजनीतिक सरगर्मी तेज होने लगी हैं। तो वहीं भाजपा और कांग्रेस से या फिर निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में फेसबुक पर, तो कोई व्हाट्सएप पर वार्डों की दावेदारी अभी से पेश करने की होड़ लगा है। 12 मार्च गुरुवार को झाबुआ कलेक्टर कार्यालय में वार्ड आरक्षक की सूची जारी की गई। मेघनगर नगर परिषद 2016 में पंचायत से परिषद घोषित की गई थी। वार्ड सीमांकन की स्पष्ट स्थिति को 15 भागों में विभाजित किया गया। जिसमें आरक्षण वार्ड क्रमांक 01 चंद्रशेखर आजाद वार्ड अजजा महिला, वार्ड क्रमांक 02 सुभाष चंद्र बोस अजजा अनारक्षित, वार्ड क्रमांक 03 रानी लक्ष्मीबाई वार्ड सामान्य महिला, वार्ड क्रमांक 04 जवाहरलाल नेहरू अजजा महिला, वार्ड क्रमांक 05 महात्मा गांधी वार्ड पिछड़ा वर्ग अनारक्षित, वार्ड क्रमांक 06 डॉक्टर अशफाक उल्लाह वार्ड सामान्य अनारक्षित, वार्ड क्रमांक 07 मौलाना आजाद वार्ड पिछड़ा वर्ग अनारक्षित, वार्ड क्रमांक 08 भगतसिंह वार्ड अनुसूचित जाति अनारक्षित, वार्ड क्रमांक 09 भीमराव अंबेडकर वार्ड पिछड़ा वर्ग महिला, वार्ड क्रमांक 10 तात्या टोपे वार्ड सामान्य महिला, वार्ड क्रमांक 11 सरदार पटेल वार्ड सामान्य अनारक्षित, वार्ड क्रमांक 12 राजीव गांधी वार्ड पिछड़ा वर्ग महिला, वार्ड क्रमांक 13 विनोबा भावे वार्ड अजजा महिला, वार्ड क्रमांक 14 महाराणा प्रताप वार्ड अजजा अनारक्षित, वार्ड क्रमांक 15 डॉक्टर राजेंद्र प्रसाद वार्ड अजजा अनारक्षित घोषित किया गया। वहीं वार्ड आरक्षण की सूची जारी होने के बाद मुख्य दलों तथा निर्दलीय उम्मीदवारों द्वारा चुनाव लड़ने के लिए कमर कस ली है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार जुलाई माह में नगर परिषद के चुनाव हो सकते हैं।

एनएसयूआई ने पर्चो का किया वितरण

माही की गूंज, झाबुआ। मंगलवार को भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन ने सभी स्कूलों में जाकर छात्र-छात्राओ को जोड़ने के लिए एसएसयुआई के पर्चे बांटे। जिसमें कहा गया कि एसएसयुआई सभी छात्राओं की हक की लड़ाई लड़ता है। आप सभी को कॉलेज सम्बन्धी कोई सी भी परेशानी आएगी। आप हमसे संपर्क कर सकते हो। हम हमेशा छात्रों की भलाई के लिए तैयार रहते है। इस अवसर पर एसएसयुआई जिलाध्यक्ष विनय भाबोर, जिला सचिव किल्लु भूरिया, रानापुर ब्लॉक महासचिव सुनील बबेरिया, रानापुर कॉलेज अध्यक्ष संतोष चंगोड, नगरसिंग सिंगाड आदि उपस्थित थे।

ग्राम पंचायत गढ़ रही भ्रष्टाचार के नित नए आयाम, सामुदायिक भवन दिया किराये पर

माही की गूंज, बामनिया। गौरव भण्डारी

विकास खण्ड पेटलावद की ग्राम पंचायतों में मचे भष्ट्राचार की स्थानीय प्रशासन व जिला प्रशासन द्वारा लगातार अनदेखी की जा रही है। जिससे भष्ट्रों को पुरा मौका मिल रहा है कि वो शासन द्वारा जनहित में दी जा रही योजनाओं को अपने निजी फायदे के लिए उपयोग कर सके। इसी कड़ी में विकासखंड पेटलावद की बड़ी पंचायतों में से एक ग्राम पंचायत बामनिया भष्ट्राचार के नए आयाम गढ़ रही है। कई कार्यों में पंचायत का भष्ट्राचार जग जाहिर हो चुका है। यहां तक कि ग्राम पंचायत में रखी भंगार सामग्री और पुराने साधन जिनकी कीमत दो से तीन लाख थी, केवल अपने निजी फायदे के लिए तीन हजार रूपए में बैच दी गई।

ऐसा ही एक और मामला सामने आया है। जहां नगर के प्रिंस-प्रंसात मार्ग पर बने सामुदायिक भवन को ग्राम पंचायत द्वारा आजीविका परियोजना वालों को किराए पर दे दिया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार वर्ष 2016-17 में पुर्व की ग्राम पंचायत द्वारा दस लाख की लागत से सामुदायिक भवन का निमार्ण कराया था, ताकि अनुसुचित जाति तथा जनजाति के लोगों अपने छोटे-बड़े दु:ख-सुख के कार्य उक्त भवन में निपटा सके लेकिन वर्तमान की ग्राम पंचायत ने उक्त भवन के निमार्ण के बाद से आजीविका परियोजना (एनजीओ) को सुपर्द कर दिया और वार्डवासियों को भवन से मिलने वाले लाभ से वंचित कर दिया। एनजीओ वालों ने पूरे भवन को अपने कब्जे में लेकर उक्त भवन पर अपना नाम सहित पुरे भवन की दिवारों पर एनजीओ द्वारा किए जा रहे कार्यों का उल्लेख कर भवन को पुरी तरह से अपना निजी भवन बना दिया।

अजा, अजजा वर्ग के लिए बनाया था भवन

उक्त मामले में वार्ड क्रमाक 06 के पुर्व पंच सोहन डामर ने बताया कि पिछली पंचायत के कार्यकाल में मेरे द्वारा ग्राम पंचायत में विवाद कर उक्त भवन को मेरे वार्ड हेतु स्वीकृत कर बनाया था। मेरे वार्ड में अनुसुचित जाति व अनुसुचित जनजाती के लोग रहते है। जिनको किसी भी कार्यक्रम को करने में परेशानियां उठानी पड़ती थी। जिसको देखते हुए मेरे द्वारा उक्त भवन को प्राथमिकता के साथ वार्ड में बनाया था लेकिन वर्तमान पंचायत द्वारा उक्त भवन को किसी एनजीओ को दे दिया है। एनजीओ ने पूरे भवन को अपना निजी बनाकर कब्जा कर लिया हैं। इस मामले में मेरे द्वारा जल्द ही लिखित में शिकायत कर भवन से एनजीओ का कब्जा हटवाया जाएगा ताकि भवन का उपयोग उसके उद्देश्य के अनुसार हो सके।

पता नहीं किस मद का है

ग्राम पंचायत के सहायक सचिव का मामले पर जवाब तो और भी चौकाने वाला है। सहायक सचिव को पता ही नहीं है कि भवन किस मद का है। सचिव के अनुसार भवन आजीविका मिशन वालों का ही हैं और मेरे पास ग्राम पंचायत द्वारा किसी प्रकार के किराया वसुले जाने की कोई जानकारी नही हैं।

भवन किराए से देना का कोई प्रावधान नहीं

जनपद सीईओ चौहान का कहना है कि मेरी जानकारी में ऐसा मामला नहीं है लेकिन ग्राम पंचायत को सामुदायिक भवन किराए से इस प्रकार की किसी संस्था को देने का कोई प्रावधान नहीं है। मैं जानकारी निकलवाता हूं कि भवन किसके हेडंओवर किया गया हैं।

पूरे मामले में ग्राम पचांयत से लेकर अधिकारी गोल-मोल जबाब दे रहे है। जबकि भवन बनाने का उद्देश्य भवन बनने के बाद से एक बार भी पूरा नहीं हो सका। यदि सचिव और अधिकारियों को इस बारे में कोई जानकारी नहीं है तो ग्राम पंचायत सरपंच द्वारा उक्त भवन को अपने निजी लाभ के कारण एनजीओ को दिया गया हैं, यह जांच का विषय है। क्योंकि यदि एनजीओ उक्त भवन का उपयोग अपने लिए कर रहा है तो किसी ने तो अनुमति दी ही होगी।

डीजे ने मचा रखी धूम, बच्चों को परीक्षा की तैयारी करने में हो रहा व्यवधान

माही की गूंज, काकनवानी। नरेश पंचाल

इन दिनों बोर्ड परीक्षाओं के चलते कलेक्टर ने डीजे व लाउडस्पीकर बंद रखने के आदेश दिए हैं लेकिन अधिनस्थ कर्मचारी और पुलिस प्रशासन का इस ओर बिल्कुल भी ध्यान नहीं है। सुबह से लेकर देर रात तक डीजे व लाउडस्पीकर बजते रहते हैं। बाजार में डीजे की आवाज इस कदर रहती है कि लोगों के घरों में ताक पर रखे बर्तन भी कंपन की वजह से नीचे गिर जाते हैं। बाजार में इन दिनों सैकड़ों डीजे बारात लेकर निकलते हैं, जिसके कारण घंटों ट्रैफिक जाम हो जाता है। कई बार इस ट्रैफिक व डीजे की वजह से बाजार में हादसे भी हो जाते हैं। डीजे के साथ में एक लाइन में सैकड़ों दो पहियां वाहन व चार पहियां वाहन निकलते हैं।

बेखौफ चल रहे वाहन

बाजार में मोटरसाइकिल व चार पहियां वाहन इतनी स्पीड से निकलते हैं कि पता ही नहीं चलता कौन जा रहा है। दो पहियां वाहन पर चार से पांच सवारी तो चार पहियां वाहन जीप, टेंपो, पिकअप, आईसर में 40 से 50 सवारी भरकर चल रहे हैं। जिससे कई हादसे भी हो रहे हैं। ओवरलोड चल रहे डीजे के आलम यह है कि डीजे में हर आदमी की नाक में दम कर रखा है। डीजे नाम सुनते ही ऐसा लगता है कि कोई उछाल आने वाला है। जितने भी डीजे चल रहे हैं वह अपनी जीप, टेंपो, पिकअप, आईसर, मिनी ट्रक सारे वाहन दोनों ओर से दो-दो फीट बाहर निकले होते हैं। जिससे बाजार में ट्रैफिक जाम हो जाता है और भयानक हादसे का अंदेशा रहता है। प्रशासन को इससे कोई लेना- देना नहीं है।

शराबी मचाते हैं हुड़दंग

शराब पीकर बाजार में लड़ाई-झगड़ा करना आम बात हो गई है। किसी को भी पुलिस का डर नहीं है पिछले दिनों एक शराबी ने मोबाइल की दुकान में चोरी की और दुकानदार के पकड़ने पर उस शराबी ने दुकानदार को ही गाली-गलौज कर मारना शुरू कर दिया। जिस पर आस-पड़ोस के लोगों ने पुलिस वाले को बाइक पर जाते देख आवाज लगाई। बाइक खड़ी कर पुलिस वाला आया और उससे शराबी को पकड़ा। पुलिस वाले ने शराबी को पकड़ने पर शराबी ने पुलिस वाले को ही कॉलर पकड़कर गाली-गलौज करना शुरू कर दिया। थोड़ी देर में पुलिस मोबाइल आ गई और थाने ले गई।

जनसुनवाई स्थगित

माही की गूंज, झाबुआ। कोरोना वायरस संक्रमण को विश्व स्वास्थ्य संगठन ने महामारी घोषित किया है। कलेक्टर प्रबल सिपाहा ने बताया है कि इस परिस्थिति को देखते हुए लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग द्वारा स्कूलों, कॉलेजों, सिनेमा हॉल, मेरिज हॉल, सार्वजनिक पुस्तकालयों, आंगनवाड़ियों, सार्वजनिक समारोह को 31 मार्च तक स्थगित किया गया है। साथ ही प्रतिमंगलवार को आयोजित जनसुनवाई कार्यक्रम को भी आगामी आदेश तक स्थगित किया गया है।

आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम के तहत आयोजित शिविर स्थगित

माही की गूंज, झाबुआ। कलेक्टर प्रबल सिपाहा ने आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम के तहत 19 मार्च को जनपद पंचायत रामा कलस्टर पारा में एवं जनपद पंचायत झाबुआ कलस्टर ढेकल बड़ी में 26 मार्च को आयोजित होने वाले शिविर परिहार्य कारणो से स्थगित कर दिये है।

केमिकल कारखाने बन रहे अभिशाप

जल व वायू प्रदूषण से खुजली, दमा, आंखों में जलन जैसी भयावह बीमारी ले रही है जन्म

माही की गूंज, मेघनगर। भूपेंद्र जैन

नगर में स्थित औद्योगिक क्षेत्र में कुछ जहरीले कारखाने जिसने नगर की आबोहवा को प्रदूषित कर रखा है। औद्योगिक क्षेत्र की स्थापना 1984 में पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय इंदिरा गांधी द्वारा की गई थी। इंदिरा गांधी का सपना था आदिवासी क्षेत्र में रोजगार के अच्छे अवसर पैदा हो और आदिवासी को रोजगार भी मिले। कुछ वक्त तक तो ऐसा हुआ भी पर वक्त बदला और केमिकल कारखानों ने पैर पसारना शुरू किए। कांग्रेस के शासनकाल जाते ही भाजपा का शासन काल आया और मेघनगर औद्योगिक क्षेत्र को शिव सरकार ने केमिकल जोन घोषित किया। भाजपा शासनकाल में कांग्रेस के जिन दिग्गज नेताओं ने केमिकल कारखानों को भगाने के लिए जनता को जगाया था। आज वही नेता इन कारखानों का समर्थन करते नजर आ रहे हैं। वर्तमान थांदला विधायक ने अपने घोषणा पत्र में जल एवं वायु प्रदूषण फैला रहे कल कारखानों पर ताला लगाकर उनके बंद करने का वचन भी दिया था। अब उसे करके दिखाना है। नगर में इनके बारे में चर्चा होती है कि इनकी कथनी और करनी में कोई अंतर नहीं। जैसा यह कहते हैं ऐसा करके भी दिखाते हैं। विधायक जी आपको जिस गांधी की साफ-सुथरी छवि के रूप में पहचाना जाता है उस पर आप खरा उतरें।

कई भयावह बीमारी ले रही है जन्म

मेघनगर एवं आसपास के क्षेत्र में प्रत्येक दस व्यक्ति में से चार व्यक्ति खुजली, दमा और आंखों में जलन जैसी गंभीर बीमारियों से पीड़ित है। इन सबके पीछे विश उगलते ये कारखाने इन भयावह बीमारियों के जिम्मेदार हैं। केमिकल उद्योगों से होने वाले वायु प्रदूषण से श्वास संबंधी कई बीमारियां अपनी जड़ मजबूत करती जा रही है। कारखानों से विशाक्त जल नालियों के माध्यम से आसपास के तालाबों में छोड़ दिया जाता है। इतना ही नहीं कई फैक्ट्रियों में तो कंपनियों द्वारा अंदर ही बोरिंग करवा कर भू-जल को खराब करने का काला खेल कई वर्षों से खेला जा रहा है।

जिससे नगर के भू-जल के साथ-साथ ग्रामीण क्षेत्रों के कुओं, तालाबो में पीला तथा काला पानी साफ देखा जा सकता है। उक्त गंभीर समस्या से खुजली, त्वचा, बांझपन व कई गुप्त रोग से संबंधित कई बीमारियों ने यहां के रहवासियों को घेर लिया है। औद्योगिक क्षेत्र से सटे ग्राम फतेहपुरा, फुटतालाब, हीरापुर, अगराल, गुंदीपाड़ा भी इस केमिकल युक्त पानी की चपेट में आ चुके हैं। पशुपालन भेड़, बकरी, मवेशी भी जहरीला पानी पीने की वजह से मर चुके हैं।

ग्राम पंचायत खच्चरटोड़ी में दम तोड़ रहा स्वच्छ भारत अभियान

माही की गूंज, खच्चरटोड़ी। मेघनगर जनपद के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत खच्चरटोड़ी में प्रधानमंती का स्वच्छता का यह अभियान दम तोड़ता नजर आ रहा है। ग्राम के संदीप मेरावत के घर के पीछे वर्ष 2017 में नाली बनवाई गई थी। नाली निर्माण कार्य अधुरा छोड़ दिये जाने के कारण निकासी नहीं होने से पुरी नाली में गंदगी व कीचड़ जमा हुआ है। जिससे आस-पास के लोगों का रहना मुश्किल हो गया है। वर्तमान में गंदगी से करोना वायरस का भी भय बना हुआ है। पंचायत की लापरवाही की शिकायत सीएम हेल्प लाईन पर रहवासी संदीप द्वारा 26 जुलाई 2018 को की गई थी लेकिन अभी तक शिकायत का निराकरण नहीं किया गया। वहीं जनपद सीईओ अपने कार्यालय में बैठे-बैठे 22 जनवरी 2019 को समस्या का निराकरण कर गन्दे पानी की निकासी की कोई समस्या नहीं है, कहकर शिकायतकर्ता मेरावत की शिकायत बन्द करवाने का प्रयास करते है। जनपद सीईओ द्वारा मेरावत पर शिकायत वापस लेने का अनावश्यक दबाव बनाया जाता है। सीईओ द्वारा कहा जाता है कि पहले आप शिकायत ले लीजिए उसके बाद नाली निर्माण का अधूरा कार्य पुर्ण कर दिया जाएगा और नाली में जमा पानी की निकासी कर दी जाएगी। संदीप मेरावत का कहना है कि नाली निर्माण का कार्य अभी भी अधूरा है और नाली निर्माण कार्य अधुरा छोड़ देने के कारण निकासी नहीं की गई।

सांसद खूब जमकर बरसे कांग्रेस पर

- मिलन समारोह पर कार्यकर्ताओं ने किया स्वागत

माही की गूंज, मेघनगर। रतलाम-झाबुआ-अलीराजपुर लोकसभा के सांसद गुमानसिंह डामोर अल्प प्रवास के दौरान मेघनगर शासकीय रेस्ट हाउस पर पहुंचे। इस दौरान भाजपाइयों ने सांसद का गर्मजोशी से स्वागत किया। स्वागत के दौरान मेघनगर मंडल के सदस्यों ने जय भाजपा तथा गुमानसिंह जिंदाबाद के नारे भी लगाए। सांसद डामोर ने मध्यप्रदेश में हो रही सियासत को लेकर मध्यप्रदेश कांग्रेस पार्टी पर तीखे हमले बोले। सांसद ने मध्यप्रदेश कांग्रेस को आड़े हाथ लेकर तीखे शब्दों में कहा कि कांग्रेस पार्टी ने पूर्व में 356 धारा लगाकर प्रजातांत्रिक तरीके से चुनी हुई सरकारों को गिराया। कांग्रेसी खुद अपने पापों की वजह से मध्यप्रदेश में गिर रही है। इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष ओम शर्मा, जिला महामंत्री श्याम ताहेड़, महामंत्री प्रफुल्ल गादिया, प्रदेश अजजा मोर्चा महामंत्री राजु डामोर, जिला उपाध्यक्ष पुरषोत्तम प्रजापत, महिला मोर्चा जिलाअध्यक्ष आरती भानपुरिया, मदरानी मंडल अध्यक्ष कमलेश मचार, बाबु मचार, दिनेश धाकिया सागरमल जैन, फारुख शैरानी, गौरव यादव, मोहन प्रजापत, मनिष डामोर, रमेश वसुनिया, शांति सोलंकी, रोहित झामर, लाखन देवाना, पंकज बड़ोला, नटवर बामनिया, जिया उल्हक कादरी, धूमसिंह निनामा, विजेंद्र मुनिया, दिलीप डामोर, पेमा भाई, रमेश वसुनिया, दिनेश देवाना, दीपक कुवाड़, बालू डामोर, संजय भाटी, सादिक खान,जाहिर भाई, कमालु खान, आदि सदस्य उपस्थित रहे।

सांसद गुमानसिंह के मेघनगर आने की सूचना मिलते ही नगर की ज्वलनशील समस्याओं को लेकर स्थानीय निवासी रेस्ट हाउस पर पहुंचे। जहां मुक्तिधाम समिति के अध्यक्ष भरत मिस्त्री ने मुक्तिधाम पर जीर्णोद्धार करने की बात कही। नगर में फैल रहे जलवायु प्रदूषण व मेघनगर प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत 400 आवास जो कि नगर परिषद ने मय सूची एसडीएम मेघनगर को दे रखे हैं उनकी भी शिकायत सांसद को की। नगर के रेलवे अंडर ब्रिज, रेलवे स्टेशन की सुविधाएं, ट्रेनों के स्टॉपेज की समस्याओं को लेकर सांसद से स्थानीय निवासी मिले। सांसद ने समस्त समस्याओं को सुना और आश्वस्त किया कि जल्दी ही इन समस्याओं का समाधान किया जाएगा।

ठेकेदार की दबंगई, पेड़ों को काटने के बाद बोला 'यह हमारा जन्म सिद्ध अधिकार'

राजनीतिक सरंक्षण के दबाव में अधिकारी कर रहे कार्यवाही से परहेज

माही की गूंज, भामल।

क्षेत्र में एक ठेकेदार सारे नियम कायदों को ताक में रखते हुए हरे भरे पेड़ों की बली देने का कार्य कर रहा है। तो दूसरी ओर जानकर भी अंजान बन बैठे जिम्मेदार अधिकारी अपने सुस्त रवैये का परिचय दे रहे है। राजनीतिक सरंक्षण व अधिकारियों के आशीर्वाद के चलते दबंग ठेकेदार क्षेत्र की हरियाली को नुकसान पहुंचा रहा है। जिसको लेकर पूर्व में भी हमारे द्वारा प्रमुखता से पेड़ काटने का मुद्दा उठाया गया था और जिम्मेदारों का ध्यान इस ओर आकर्षित करवाया था लेकिन अपनी कमीशनखोरी के चलते किसी भी प्रकार की कार्यवाही ठेकेदार के विरुद्ध नहीं की गई।

बिना परमिशन काटे पेड़

एक पौधे को लगाकर उसे बड़ा करने में पूरी जिंदगी गुजर जाती है, लेकिन उसे काटने में चंद मिनट ही लगते है। अपने स्वार्थ व सुविधाओं के लिए एक ठेकेदार द्वारा वर्षों पुराने पेड़ों की बली दे दी। जो कि अपराध की श्रेणी में आता है। वहीं किसी भी पेड़ को काटने के लिए वन विभाग व राजस्व अधिकारियों से परमिशन लेना होती है, लेकिन यहां ठेकेदार ने सारे नियमों को ताक में रखकर पेड़ों का कत्ल कर दिया। वर्तमान में 8 लेन एक्सप्रेस के लिए खवासा के भामल इलाके में कार्य शुरू हो गया है। इसके लिए भारत माला परियोजना के तहत इस 8 लेन एक्सप्रेस वे का निर्माण कार्य शुरू हो चुका है। भामल के नरसिंगपाड़ा के समीप जीआर कम्पनी के द्वारा एक प्लांट बनाया गया है। जहाँ पर पर कम्पनी के कर्मचारियों के रहने की व्यवस्था रहेगी। इसके लिए कम्पनी के द्वारा बिजली की व्यवस्था की जा रही है, वह भी हरे भरे पेड़ों को काटकर। ठेकेदार द्वारा खवासा ग्रीड से विद्युत पोल लगाकर कनेक्शन लिया जा रहा है तथा रास्ते मे अड़चन बने हरे पेड़ों की बली चढ़ा दी गई। इसके लिए ठेकेदार ने वन विभाग या राजस्व विभाग की बिना अनुमति से पेड़ काट दिए। पेड़ों की खुले आम बली चढ़ाने वाले ठेकेदार को कहीं ना कहीं राजीनीतिक आकाओं का संरक्षण प्राप्त होने के कारण अधिकारी कार्यवाही करने से परहेज कर रहे है।

हमारा कुछ नही बिगड़ सकता

वहीं पेड़ों की हत्या करने वाला ठेकेदार विपिन सिसोदिया कहता है कि पेड़ काटना हमारा जन्म सिद्ध अधिकार है, हमारा कोई कुछ नहीं बिगाड़ सकता। जिसके चलते उक्त ठेकेदार ने बिना अनुमति के ही पेड़ काट दिए। जिम्मेदारों की लापरवाही के चलते ठेकेदार हरे भरे पेड़ों की बलि चढ़ा रहा है, जिसे रोकना- टोकना किसी ने उचित नहीं समझा। इसी का फायदा उठाकर ठेकेदार सिसोदिया हरियाली को उजाड़कर अपना स्वार्थ सिद्ध करने में जुटा है। वहीं ठेकेदार खुले तौर पर कहता है कि पेड़ काटना हमारा जन्म सिद्ध अधिकार है, ऐसे में न जाने कितने पेड़ो की बली ठेकेदार ने चढ़ा दी होगी।

15 दिनों में कोई कार्यवाही नही

इस संबंध में खवासा एमपीईबी के जूनियर इंजीनियर निशांत कुमार यादव से चर्चा की तो उन्होंने बताया कि जिला स्तर से यह ठेका हुआ। हम इसमें कुछ नहीं कर सकते है, ठेकेदार ने पेड़ काटे तो आप मुझे फोटो भेज दो मैं दिखवाता हुं। ठेकेदार द्वारा काटे गए पेड़ों के जब फोटो उपलब्ध करवाए गए लेकिन 15 दिन बीत जाने के बाद भी आज दिनांक तक कार्यवाही नहीं हुई। वही मामले के लेकर जब प्रभारी तहसीलदार ललिता गदरिया से सम्पर्क करने की कोशिश की तो उन्होंने मोबाईल रिसीव नहीं किया।

गावं की महिलाओं ने पीपल के पेड़ का पूजन कर लगाई परिक्रमा

पारंपरिक विधि विधान से संपन्न हुआ दशामाता का पूजन

माही की गूंज, खच्चरटोड़ी। परिवार की सुख-समृद्धि देने वाली तथा कर्मों की दशा बदलने वाली दशा माता का पूजन बुधवार को विधि-विधान पूर्वक किया गया। नयागाँव जागीर में गांव की महिलाओं ने पीपल के वृक्ष पर दशा माता का पूजन कर अपने सौभाग्य, परिवार की खुशहाली, सुख संपत्ति व ऐश्वर्य की कामना की। गांव में सुबह से ही महिलाएं नजदीक शासकीय स्कूल में स्थित पीपल के वृक्ष पर पहुंचकर वहां कुम-कुम, अबिर, गुलाल, श्रीफल आदि सामग्री से विधि-विधान पूर्वक दशा मा का पुजन किया गया। महिलाओं ने पीपल के वृक्ष की विधि-विधान से पूजा-अर्चना करते हुए, पीपल के वृक्ष पर सूत का धागा लपेटकर वृक्ष की परिक्रमा की। जिसके बाद सामूहिक पूजा में भाग लेकर दशा माता की पौराणिक कथा सुनी। सुबह से पूजन का क्रम प्रारंभ हुआ, जो दोपहर तक चलता रहा।

संपादकीय

अस्थिरता के दौर में मध्यप्रदेश की राजनीति

सभी भविष्यवाणियां और विश्लेषण यही कह रहे हैं कि सत्ता अब मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री कमलनाथ के हाथ से फिसल रही है। जब भी किसी राज्य में ऐसी स्थितियां बनती हैं, मुख्यमंत्री सदन के विश्वास मत परीक्षण को किसी तरह टालने की कोशिश करते हैं। शायद इस उम्मीद में कि अगर समय मिले, तो वह किसी तरह हालात मैनेज करने की कोशिश करें। आमतौर पर उन्हें इसके लिए ज्यादा समय नहीं मिलता। लेकिन कमलनाथ इसमें कामयाब होते दिख रहे हैं। कोरोना वायरस संक्रमण के नाम पर उन्होंने विधानसभा का सत्र दस दिन के लिए टाल दिया है। कोरोना वायरस को हथियार बनाया जा रहा है यह रविवार को तभी स्पष्ट हो गया था, जब कांग्रेस की तरफ से यह मांग उठने लगी थी कि जो भी विधायक दूसरे प्रदेशों में रह रहे थे, सत्र से पहले सभी की कोरोना संक्रमण की जांच की जाए।

पिछले कुछ समय से राज्य के ज्यादातर विधायक बाहर ही थे। भाजपा के विधायक और कांग्रेस से पाला बदलने वाले विधायक हरियाणा में थे, जबकि कांग्रेस के बाकी विधायक जयपुर में। कोरोना संक्रमण के लिए इन सभी की जांच होगी या नहीं, यह अभी साफ नहीं है, पर संक्रमण के बहाने सत्र को दस दिन के लिए जरूर टाल दिया गया है। हालांकि भाजपा ने जल्द फ्लोर टेस्ट कराने के लिए सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा भी खटखटाया और राज्यपाल के सामने अपने विधायकों की परेड भी करवाई। इन दोनों ही कोशिशों का क्या नतीजा होगा, यह अभी स्पष्ट नहीं है। सुप्रीम कोर्ट सदन में बहुमत परीक्षण का आदेश दे सकती है, पर भाजपा की कोशिश है कि उसे इसके लिए दस दिन का भी इंतजार नहीं करना पड़े। हालांकि दस दिन की यह मोहलत किसी भी तरह मुख्यमंत्री कमलनाथ के काम आएगी, इसके कोई भी संकेत फिलहाल तो नहीं नजर आ रहे हैं।

दस दिन का अर्थ है कि 26 मार्च के बाद ही सत्र शुरू हो सकेगा। मगर किसके पास विधानसभा में कितनी ताकत है, यह 26 मार्च को ही साफ हो जाएगा। इस दिन राज्यसभा चुनाव के लिए मतदान होना है और यह चुनाव ही सदन में शक्ति परीक्षण का नतीजा साफ कर देगा। यह भी माना जा रहा है कि मध्य प्रदेश की सत्ता में बदलाव का दांव जान-बूझकर इस समय खेला गया है, जब एक तीर से एक साथ दो शिकार हो सकते हैं। एक तो भाजपा को प्रदेश में सत्ता मिल जाएगी और दूसरे, राज्यसभा में उसे एक सीट का फायदा मिलेगा। इसके उलट, कांग्रेस दोनों ही मोर्चों पर नुकसान में रहेगी।

नतीजा जो भी हो, पर मध्य प्रदेश राजनीतिक अस्थिरता के दौर में प्रवेश कर गया है। हालांकि इसकी भूमिका तभी तैयार हो गई थी, जब पिछले विधानसभा चुनाव में किसी भी दल को स्पष्ट बहुमत नहीं मिला था। कांग्रेस भले ही सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी, मगर वह बहुमत से मामूली सी दूर ही थी। उसने समाजवादी पार्टी और बहुजन समाज पार्टी के समर्थन से सरकार बनाई जरूर, पर सरकार पर खतरा बना हुआ था। भाजपा तभी से उपयुक्त मौके की तलाश में थी, यह मौका भी अब उसे मिल गया है। आगे नतीजा जो भी हो, पर प्रदेश सरकार की स्थिति जल्द से जल्द स्पष्ट होनी चाहिए। किसी भी प्रदेश के लिए यह बहुत जरूरी होता है कि वहां राजनीतिक अस्थिरता का दौर लंबा न खिंचे। सदन में बहुमत परीक्षण ही इसका एकमात्र रास्ता है।

सोशल मीडिया के दौर में महामारी

राजेन्द्र धोड़पकर
वरिष्ठ पत्रकार

दो साल हुए, जब पहले विश्व युद्ध की समाप्ति के सौ साल को याद किया जा रहा था। तब कम लोगों को यह याद आया कि वह दौर आधुनिक समय की सबसे बड़ी वैश्विक महामारी का भी दौर था। 1918-1919 में जो फ्लू महामारी के रूप में फैला, उसे स्पेनिश फ्लू का नाम दिया गया। इस महामारी ने उस वक्त दुनिया की लगभग एक तिहाई जनसंख्या को अपनी चपेट में लिया और कम से कम पांच करोड़ लोग इससे मौत के मुंह में समा गए। इसे स्पेनिश फ्लू इसलिए कहा गया, क्योंकि इसकी पहचान सबसे पहले स्पेन में हुई, पर माना जाता है कि यह युद्ध के दौरान चीनी बंधुआ मजदूरों के साथ पश्चिम में पहुंचा और विश्व युद्ध के दौरान सैनिकों की वैश्विक आवाजाही की वजह से दुनिया भर में फैला। सिर्फ भारत में करीब पौने दो करोड़ लोग इस बीमारी से मारे गए।

स्पेनिश फ्लू एच1-एन1 किस्म का वायरस था। इसी का वारिस वह एच1-एन1 वायरस था, जिसका संक्रमण सन 2009-2010 में फैला था, जिसको स्वाइन फ्लू के नाम से जाना जाता है। स्वाइन फ्लू की चपेट में दुनिया की लगभग दस प्रतिशत आबादी आई थी और इससे हुई मौतों की संख्या डेढ़ लाख से साढ़े पांच लाख तक बताई जाती है। हालांकि यह भी माना जाता है कि इसका वायरस आम फ्लू के वायरस से ज्यादा खतरनाक नहीं था।

अभी जिस कोरोना वायरस संक्रमण को विश्व स्वास्थ्य संगठन ने वैश्विक महामारी करार दिया है, वह सन 2002 में फैले सार्स वायरस का करीबी रिश्तेदार है, वह भी कोरोना वायरस ही था। इस नए वायरस का वैज्ञानिक नाम सार्स सीओवी-2 है। 2002 में फैले सार्स संक्रमण से करीब 8,000 लोग प्रभावित हुए थे, और उनमें से 800 यानी करीब दस प्रतिशत मरीजों की मौत हो गई थी। इसके मुकाबले नए संक्रमण ने अब तक दुनिया भर में करीब सवा लाख लोगों को अपनी चपेट में लिया है और उनमें से करीब पांच हजार की मौत हो गई है, यानी यह नया संक्रमण सार्स के मुकाबले काफी ज्यादा तेजी से फैलता है, लेकिन यह कम घातक है।

यह सब जानने-समझने का मकसद यह है कि हम कोरोना वायरस संक्रमण को सही परिप्रेक्ष्य में देख सकें और समझ सकें कि हमें कितना सतर्क रहने और कितना घबराने की जरूरत है। यह संक्रमण सूचना और सोशल मीडिया के दौर में आया है, इसलिए ज्यादा समझदारी के साथ यह विश्लेषण करने की जरूरत है, क्योंकि इस दौर में जरूरी सूचना कई वजहों से दब जाती है और झूठ का संक्रमण किसी भी वायरस से ज्यादा तेजी से फैलता है। जब पहला सार्स संक्रमण फैला था, तब चीन सरकार पर आरोप लगा था कि उसने शुरुआत में संक्रमण की खबरों को दबाकर इसे घातक रूप से फैलने का मौका दिया। इस बार भी चीन की एकाधिकारवादी सरकार का रवैया इससे अलग नहीं था।

जब वुहान में एक युवा डॉक्टर ने सोशल मीडिया पर अपने ग्रुप में सार्स की तरह के संक्रमण का अंदेशा जताया, तो पुलिस ने उस डॉक्टर को बेवजह घबराहट फैलाने के लिए धमका दिया। इस युवा डॉक्टर ली वेनलियांग की बाद में कोरोना संक्रमण से मौत हो गई। अगर उसकी उस चेतावनी पर ध्यान दिया गया होता, तो हो सकता था कि यह बीमारी वुहान तक ही सीमित रह जाती, वैश्विक महामारी नहीं बनती। सिर्फ महामारियों के संदर्भ में नहीं, बल्कि तमाम क्षेत्रों में यह देखने में आता है कि सूचना के स्वतंत्र और पारदर्शी तंत्र से बहुत सारी समस्याएं हल हो सकती हैं, लेकिन सरकारों को सेंसरशिप के अधिकार से जो सत्ता की अनुभूति होती है, वह सदियों से वैसी ही है।

साल 1918 के स्पेनिश फ्लू के अनियंत्रित होने के पीछे भी एक बड़ी वजह यह थी कि युद्ध की वजह से ज्यादातर देशों में सेंसरशिप थी और महामारी की खबरों को सेंसर किया जा रहा था। स्पेन में इस बीमारी की पहचान होने की एक वजह यह भी थी कि वह युद्ध में एक तटस्थ राष्ट्र था और वहां सेंसरशिप नहीं थी। डॉक्टरों से लेकर अखबारों पर कुछ छिपाने का कोई दबाव नहीं था। सही सूचना न पहुंचने के अलावा दूसरा बड़ा खतरा गलत सूचनाओं का तेजी से फैलना है। लोगों को सही बात समझाना जितना मुश्किल है, उतना ही आसान अफवाहें और गलत सूचनाएं फैलाना है।

सोशल मीडिया पर पहाड़ जितने झूठों के अंबार के नीचे कहीं राई बराबर सच दब जाता है। ऐसी महामारियों के दौर में अजीबोगरीब इलाज का दावा करने वाले लोग हमेशा रहे हैं। इसमें गोबर और गोमूत्र से लेकर तरह-तरह के शर्तिया इलाज वाली जड़ी बूटियां और टोटके शामिल हैं, जबकि किसी भी दवा के किसी बीमारी पर कारगर होने का पक्का दावा तभी किया जा सकता है, जब उसे कुछ मरीजों पर आजमाया गया हो और सफल पाया गया हो। जो बीमारी अभी आई ही है, उस पर ऐसे दावे का कोई अर्थ नहीं।

ऐसे ही कुछ लोगों का दावा है कि कोरोना वायरस से बचने के लिए मांसाहारी खाने, खासकर चिकन खाने से परहेज करना चाहिए। इसके पीछे कोई तर्क नहीं है सिवाय शाकाहार के प्रति गहरी धार्मिक निष्ठा के। कोई शाकाहारी हो, यह उसका अपना फैसला है, लेकिन इससे कोरोना वायरस पर कोई फर्क नहीं पड़ेगा। इससे सिर्फ चिकन बेचने वालों को घाटा हो रहा है और मांसाहारी लोग बेवजह अपने भोजन में जरूरी प्रोटीन और अन्य पोषक तत्वों से महरूम हो रहे हैं।

कोरोना वायरस हमारे दौर का या पिछले कुछ साल का पहला वैश्विक आपातकाल है। इसका उपयोग एक तो हम इस वायरस की वैक्सीन तैयार करने और हर कुछ समय बाद आ जाने वाली ऐसी मुसीबतों के खिलाफ नया प्रोटोकॉल विकसित करने के लिए कर सकते हैं। साथ ही यह वह मौका भी है, जब हम किसी आपातकाल के दौरान गलत सूचनाओं, अफवाहों और फर्जी खबरों से मुक्ति का रास्ता निकालने की गंभीर कोशिश कर सकते हैं। कोरोना वायरस का तोड़ तो विज्ञान खोज ही लेगा, लेकिन यह दूसरी चुनौती ज्यादा बड़ी है।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

एक अदभुत विवाह - समारोह

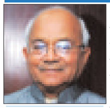

डॉ. वेद प्रताप वैदिक

मैं उज्जैन के ऐसे कार्यक्रम में शामिल हुआ, जिस पर सब गर्व कर सकते है और उससे सीख ले सकते है। यह था, सामूहिक विवाह-समारोह। 122 जोड़ों की आज शादी हुई। आजकल देश में सामूहिक विवाह के कई आयोजन होते हैं। लेकिन यह उनसे मुझे काफी अलग नजर आया।

अक्सर ये सामूहिक विवाह कुछ जातीय संगठनों द्वारा आयोजित किए जाते हैं, जिनमें एक ही जाति के युवक-युवतियों की शादियां होती हैं लेकिन आज के इस आयोजन में न जाति का, न मजहब का, न प्रांत का, न भाषा का, कोई भी बंधन नहीं था। लड़का ब्राह्मण तो लड़की दलित, लड़की राजपूत तो लड़का बनिया, लड़की बनिया तो लड़का बौद्ध (दलित)।

ज्यादातर ऐसे जोड़े जिनकी जाति का कोई अता-पता ही नहीं। दूसरी बात यह है कि कोई लड़का गुजराती तो लड़की मराठी, कोई लड़की मालवी तो लड़का मारवाड़ी, कोई लड़की बंगालिन तो लड़का बिहारी। तीसरी बात, जिसने मेरा ध्यान खींचा, वह यह है कि 122 जोड़ों की शादी में लगभग दर्जन भर जोड़े मुसलमान थे और एक जोड़ा ईसाई था। इनकी शादियां करवाने के लिए मौलवी और पादरी भी पंडितों की तरह एक ही शामियाने के नीचे डटे हुए थे।

विवाह, निकाह और वेडिंग के बाद सभी लोग एक जगह बैठकर भोजन कर रहे थे। हजारों लोग उपस्थित थे। मंच पर हमारे साथ सभी धर्मों के पुरोहित बैठे हुए थे। उज्जैन के कमिश्नर, कलेक्टर, पुलिस मुखिया वगैरह भी थे। इसे कार्यक्रम के सबसे महत्वपूर्ण अंश के बारे में मैं अब लिख रहा हूं। वह यह था कि इन 122 जोड़ों में 29 जोड़े सेवाधाम उज्जैन के थे। यह सेवाधाम उज्जैन के पास के अंबोदिया ग्राम में है।

इसकी स्थापना सुधीर गोयल ने की थी। सुधीर मेरे छोटे भाई की तरह है। सुधीर को मैं 'फादर टेरेसा' कहता हूं, क्योंकि वे किसी के भी धर्म-परिवर्तन की कोशिश किए बिना उनकी सेवा करते हैं। इस दृष्टि से यह 'मदर टेरेसा' से भी अधिक ऊंचा और पवित्र काम कर रहे हैं। मैं इस सेवाधाम का नाम-मात्र का संरक्षक हूं। जब लगभग 20 साल पहले इसका मैं संरक्षक बना, तब इसमें 50-50 विकलांग लोग किसी तरह गुजर करते थे। अब इसमें 600 विकलांग, अपंग, अनाथ, बलात्कृत महिलाएं, गूंगे, बहरे, अंधे, लूले, लंगड़े लोग रहते हैं। इसी तरह के 29 युवक और युवतियों का ब्याह आज संपन्न हुआ है। इसमें ऐसी पांच युवतियां भी वधू थीं, जिनकी गोद में अवैध बच्चे भी थे। एक पूर्व-वेश्या भी थी। ये सब शादियां उनकी पूरी जानकारियों में हुई हैं। इन वर-वधुओं को इंदौर और उज्जैन के लोगों ने उपहारों से लाद दिया। है न, यह अद्भुत विवाह समारोह।

सिंधिया का जाना: कांग्रेस के लिए नुकसान और मौका दोनों

महाराष्ट्र में सरकार बनाकर जो कांग्रेस दो कदम आगे बढ़ी थी, वह मध्य प्रदेश में ज्योतिरादित्य सिंधिया के पार्टी से जाने के बाद एक कदम पीछे गई लगती है। अब मध्य प्रदेश में अगर कांग्रेस सरकार नहीं बचा पाएगी, तो महाराष्ट्र की कामयाबी पर पूरी तरह से पानी फिर जाएगा। खैर, मध्य प्रदेश में किसकी सरकार रहेगी, कौन मुख्यमंत्री बनेगा, जैसे सवालों से अलग सबसे बड़ा सवाल आज यह है कि ज्योतिरादित्य सिंधिया जैसे सशक्त नेता को कांग्रेस ने क्यों खो दिया? कांग्रेस ने ग्वालियर संभाग में क्या खोया है, यह आने वाले दिनों में पता चलेगा, लेकिन सिंधिया जो बातें बोलकर भाजपा में शामिल हुए हैं, वह कांग्रेस, राजनीति और देश, तीनों के लिए बहुत महत्वपूर्ण हैं। भाजपा में जाते हुए भी उनके यह कहने का गहरा अर्थ है कि 'मन आज दुखी भी है और व्यथित भी'। अव्वल तो यह अपने आप में बहुत महत्वपूर्ण बात है कि सिंधिया जैसा सशक्त नेता कांग्रेस में दुखी और व्यथित था, तो अनेक कांग्रेस कार्यकर्ताओं के दिल पर क्या बीत रही होगी? संभव है, सिंधिया का यह दुख लोकसभा चुनाव में उनकी हार की वजह से पैदा हुआ हो, पर तब भी यह कांग्रेस हाईकमान की नाकामी है। जीत के जश्न कहीं भी मनाए जा सकते हैं, लेकिन हार की गमी को हमेशा संवेदनशील कंधों की जरूरत होती है। लगता है, हताशा-निराशा के आंसुओं से गीले होकर सशक्त होने वाले कंधों का कांग्रेस में अभाव हो गया है। ज्यादातर लोगों को यह आभास हो गया था कि सिंधिया किस ओर बढ़ रहे हैं, लेकिन कांग्रेस ने उन्हें मना लेने का कोई जतन नहीं किया।

सिंधिया ने दो टूक कहा है, कांग्रेस जैसी पार्टी पहले थी, वैसी आज नहीं रही। लगे हाथ उन्होंने इसके तीन कारण भी बड़ी साफगोई से गिना दिए। पहला, कांग्रेस वास्तविकता से इनकार कर रही है। दूसरा, नई विचारधारा और तीसरा, नेतृत्व को मान्यता नहीं मिलना। सिंधिया यहां तक बोल गए कि कांग्रेस में रहकर जनसेवा नहीं की जा सकती। सचमुच कांग्रेस को इसका जवाब देना चाहिए, लेकिन उसके अनेक नेता तो पूर्व सिंधिया राजघराने को धिक्कारने में लगे हैं। यह हमारी सतही व कुतर्की राजनीति का गलत स्वभाव ही है, जो पार्टी से जाने वाले को भर मन धिक्कारता है और आने वाले को पवित्रतम करार देता है। लेकिन इन तमाम हल्के बयानों से आगे कांग्रेस को वाकई सोचना चाहिए कि देश की प्रमुख विपक्षी पार्टी को कैसा होना चाहिए? नए नेतृत्व से पुराने नेतृत्व की ओर लौटने की पहली बड़ी कीमत कांग्रेस ने चुका दी है। पंजाब, मध्य प्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र की सत्ता से कांग्रेस को खास मजबूती मिल रही है, पर नेतृत्व परिवर्तन का संकट कांग्रेस को मथ रहा है और कांग्रेस नेताओं-कार्यकर्ताओं की निष्ठा को धर्मसंकट में डाल रहा है। सिंधिया का कांग्रेस से जाना नुकसान के साथ, मौका भी है। जो पार्टियां अपने नेताओं को मनाकर नहीं रख सकतीं, वे अपने रूठे हुए मतदाताओं को कैसे मनाएंगी? राजनीति सेवा की एक श्रृंखला है, पार्टी नेतृत्व अपने नेताओं की सेवा करता है और नेता जनता की सेवा करते हैं और फिर चुनाव के समय यह सेवा क्रम लौटता है। यहां सिंधिया का यह कहना अहम है कि कांग्रेस वास्तविकता से इनकार कर रही है, मगर इस बात पर तो हर पार्टी को गौर करना चाहिए। जो पार्टी इस पर ज्यादा गौर करेगी, वही नई पीढ़ी और देश को बेहतर ठौर दे पाएगी।

चाणक्य नीति

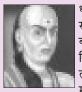

जिस किसी के पास विद्या रूपी धन है, तो उसे सभी धन प्राप्त होते हैं। सभी धनों में विद्या रुपी धन ही सबसे बड़ा धन है। यदि धनवान होते हुए भी किसी के पास विद्यारूपी धन नहीं है तो उसे दीन समझना चाहिए। जो मनुष्य धन से तो दरिद्र है, लेकिन विद्या उसके पास है तो उसे दीन नहीं समझना चाहिए। अभिप्राय यह है कि तुच्छता और दरिद्रता का आधार धनहीनता न होकर विद्याहीनता है। अतः हर मनुष्य को धन की अपेक्षा विद्या प्राप्ति के लिए ही प्रयत्नशील होना चाहिए।

तेल की कीमतों में गिरावट का फायदा आम जनता को नहीं

बेशक इसका प्रमुख कारण कोरोना वायरस का फैला आतंक है। मगर इसके पीछे रूस और सऊदी अरब में बढ़ा तनाव भी एक वजह है। भारत जैसे देश के लिए फिलहाल कच्चे तेल के भाव में गिरावट का फायदेमंद असर होगा, लेकिन इसके कई नकारात्मक प्रभाव भी हैं। दरअसल, अंतरराष्ट्रीय तेल बाजार में कच्चे तेल के दामों में जैसी गिरावट पिछले हफ्ते देखने को मिली, वैसी पिछले तीन दशक में नहीं देखी गई। इसके बीछे एक वजह यह है कि सऊदी अरब ने तेल की गिरी हुई खपत से नुकसान से उबरने के लिए तेल की आपूर्ति और घटाने का प्रस्ताव कर दिया। तेल का निर्यात करने वाले देशों के संगठन (ओपेक) में इस पर सहमति नहीं हुई। 2016 से सऊदी अरब और रूस ने मिलकर तेल की आपूर्ति में कटौती को 21 लाख बैरल प्रति दिन के स्तर पर बरकरार रखा था। सऊदी अरब अब चाह रहा है कि इसमें 15 लाख बैरल प्रति दिन की अतिरिक्त कटौती की जाए।

लेकिन रूस राजी नहीं हुआ। अमेरिका विश्व का सबसे बड़ा तेल उत्पादक बन चुका है। रूस उसे बाजार पर और पकड़ बनाने से रोकना चाहता है। उसे लगता है कि ओपेक देश अगर आपूर्ति और गिराएंगे, तो अमेरिका को बाजार पर अपना कब्जा बढ़ाने का मौका मिलेगा। इसलिए उसने सऊदी अरब का प्रस्ताव स्वीकार नहीं किया। घोषणा कर दी कि एक अप्रैल से हर देश को जितना वो चाहे उतना तेल उत्पादन करने की पूरी छूट होगी। इसके बाद सऊदी अरब ने अपने तेल की कीमत गिरा दी। यह तो साफ है कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तेल की मांग में गिरावट के पीछे कोरोना वायरस का बहुत बड़ा हाथ है।

भारत बड़े पैमाने पर तेल का आयात करता है और दाम गिर जाने पर उसका खर्च कम हो जाता है। इससे भारतीय बाजार में पेट्रोल, डीजल इत्यादि के दाम गिरने की संभावना बन जाती है। ईंधनों के दाम गिरने से हर उस वस्तु का दाम गिरता है, जिसे उत्पादन और बिक्री के बीच एक लंबा सफर तय करना पड़ता है। फिर भी कच्चे तेल का सत्ता होना भारत के लिए अच्छी और बुरी खबर दोनों है। इसमें बहुत ज्यादा खुश होने की जरूरत इसलिए नहीं है, क्योंकि आने वाले दिनों में हर देश की तेल कंपनियों पर इसका बुरा असर होगा। उससे वैश्विक आर्थिक मंदी और गहरा सकती है। जाहिर है, इसका नुकसान सबको होगा।

भारतीय नागरिकता और अंबेडकर

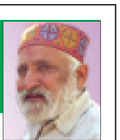

डॉ. कुलदीपचंद अग्निहोत्री
वरिष्ठ स्तंभकार

नागरिकता संशोधन अधिनियम के अंतर्गत पाकिस्तान, बांग्लादेश व अफगानिस्तान से भारत आने वाले अल्पसंख्यकों को भारतीय नागरिकता वापस देने से लाभान्वित होने वाला समाज कौन सा है? यह मूल प्रश्न है, जिस पर चर्चा करना अनिवार्य है। अपनी खोई भारतीय नागरिकता वापस पाने के लिए प्रयासरत यह हिंदू-सिख समाज मोटे तौर पर दलित हिंदू समाज है, जो 1947 से पाकिस्तान- बांग्लादेश में फंसा हुआ है और वहां की सरकारों ने न उस समय उनको भारत में आने दिया था और न अब आने दे रही है। 1947 में पाकिस्तान से हिंदू-सिखों के भारत में पलायन के बाद पश्चिमी पंजाब, पूर्वी बंगाल और कुछ सीमा तक सिंध में अब केवल दलित समाज के हिंदू-सिख बचे थे, जिन्हें वहां की सरकार भारत में आने नहीं दे रही थी।

यह दलित हिंदू-सिख समाज का दुर्भाग्य ही था कि पाकिस्तान सरकार उन्हें बंधक बनाने में तुली हुई थी। पाकिस्तान के अधिकांश मुसलमान हिंदुओं की तथाकथित उच्च जातियों से मतांतरित हुए थे। बलोच और पठान बौद्ध मत से मतांतरित हुए थे। चाहे इन्होंने इस्लाम मत को स्वीकार कर लिया था, लेकिन जातिगत अभिमान को इन्होंने अभी भी संभालकर रखा हुआ था। इसलिए बड़ा प्रश्न था कि नए बने पाकिस्तान में सफाई का काम, मैला उठाने का काम कौन करेगा? पाकिस्तान के नगरों में तो यह समस्या और भी भयंकर थी। यह काम मुसलमान जाट, मुसलमान राजपूत या फिर मुसलतान बने खत्री तो करेंगे नहीं। सैयद मुसलमान तो यह काम कर ही नहीं सकते, क्योंकि वे अरब की उच्च नस्ल के लोग थे, जिन्होंने कभी हिंदुस्तान को जीता था। इसलिए इह काम को दलित हिंदू समाज से ही करवाया जा सकता था। पाकिस्तान में अब भी उनसे मोटे तौर पर यही काम करवाया जा रहा है। एक उदाहरण द्रष्टव्य है। पाकिस्तान रेंजर सिंध की ओर से 26 अगस्त, 2019 को अनेक पदों के लिए आवेदन आमंत्रित किए गए थे, लेकिन दर्जी, नाई, बढ़ई, रंगसाज, मोची, झीवर और सफाई कर्मचारी के पदों के लिए केवल गैर-मुसलमान ही आवेदन कर सकते थे, ऐसा स्पष्ट कर दिया गया था। अंबेडकर को यही अंदेशा था कि दलित समाज को पाकिस्तान में उन्हीं कामों के लिए बंधक बनाकर रखा हुआ था, जिसे करने में मुसलमान अपनी हतक (बेइज्जती) समझता है। इसलिए पाकिस्तान (उस समय बांग्लादेश भी इसका भाग था) सरकार इन दलित हिंदुओं को अपने यहां से आने नहीं दे रही थी। वे एक प्रकार से वहां बंधक बना लिए गए थे। जिन्ना ने उन्हें अपनी मीठी-मीठी बातों से धोखा देने की भी कोशिश की। जिन्ना वहां की संविधान सभा में उनको ललचा रहे थे कि पाकिस्तान में भी सभी को बराबर के अधिकार होंगे।

ऐसा भ्रम पैदा करने के लिए जिन्ना ने ऐसे ही एक दलित जोगेंद्र नाथ मंडल को पाकिस्तान का विधि मंत्री भी बना दिया था। दलित हिंदू-सिख समाज को बंधक बनाकर रखने का यह प्रयास केवल पाकिस्तान में ही नहीं हो रहा था, हैदराबाद में भी यही हो रहा था। अंग्रेजों के चले जाने के बाद उन्हीं साम्राज्यवादी शक्तियों की शह पर हैदराबाद के निजाम ने भी हैदराबाद को स्वतंत्र देश घोषित कर दिया था। निजाम के पूर्वजों ने मध्य एशिया से आकर यहां के लोगों को गुलाम बनाकर अपना राज्य स्थापित किया था। निजाम अपने राज्य में मुसलमानों की संख्या बढ़ाने के लिए दलित हिंदू समाज को जबरदस्ती मुसलमान बना रहा था। निजाम भी वही भाषा बोल रहा था, जो कराची में जिन्ना बोल रहे थे। पूर्व बंगाल (जो अब बांग्लादेश कहलाता है) की हालत तो और भी खराब हो रही थी। पूर्वी बंगाल, पाकिस्तान के हिस्से में आया था और पश्चिमी बंगाल भारत में था। पूर्वी बंगाल का दलित हिंदू समाज, जिसे बंगाल में 'नामशूद्र' कहा जाता है, जिन्ना की चिकनी-चुपड़ी बातों के धोखे में आ गया। ऊपर से कांग्रेस का आग्रह था कि वे अब बदले राजनीतिक परिवेश में भारतीय नागरिकता को भूलकर अपनी नई पाकिस्तानी नागरिकता को ही स्वीकार करें। दलित हिंदू समाज को पाकिस्तान में ही बने रहने का आग्रह उस समय की सी.पी.आई के नेता भी कर रहे थे, क्योंकि सी.पी.आई भारत विभाजन की पक्षधर थी और पाकिस्तान के निर्माण में सक्रिय भूमिका निभा रही थी। लेकिन जल्दी ही पूर्वी बंगाल में दलित हिंदू समाज को इस्लाम में मतांतरित किया जाने लगा। जाहिर है इसका दलित समाज विरोध करता। उसने किया भी, लेकिन अब इस हिस्से की सत्ता उन लोगों के हाथ में आ गई थी, जो स्वयं मतांतरण के पक्ष में थे। ऐसी स्थिति में दलित हिंदू समाज के लोग भागकर पश्चिमी बंगाल और त्रिपुरा में आने लगे।

एक सलाह

आप जितनी बहसें जीतते है, उतने दोस्त आपके कम होते चले जाते है।

काम की बात

अधिक सोचने की आदत जीवन में काल्पनिक समस्याएं पैदा करती है।

आपके भीतर अंधेरा भी है और उजाला भी

जो कुछ भी आप बाहर तलाश रहे हैं, वह आपके अंदर है। आपके अंदर उजाला भी है और अंधेरा भी है। आपके अंदर ही शांति भी है और अशांति भी। उस बनाने वाले ने आपको सब कुछ दिया है। बस जरूरत है उस परमशक्ति को जानने की है। जानें उस लक्ष्य को, जिसके लिए यह जीवन मिला है। अपने ह्रदय की प्यास को बुझाइए, जो आपका ह्रदय हर श्वास के साथ आप से कह रहा है। इसके अनुभव में सच्चा सुख और आनंद है। एक राजा था। उसके दरबर में एक व्यक्ति आम लेकर आया। राजा ने पहले कभी आम नहीं खाया था। उसने पूछा-यह क्या है? व्यक्ति ने कहा, महाराज! यह आम है। यह बहुत ही अच्छा फल है। आप इसे खाकर देखिएगा। राजा ने कहा, मुझे नहीं खाना है। मेरे दरबार में जो लोग बैठे हैं, उन्हें खिलाओ। ये खाकर मुझें बताएंगे कि यह आम कैसा है? एक ने खाया और कहा, महाराज! यह बहुत मीठा है। राजा ने कहा, मुझे अभी समझ में नहीं आया कि आम क्या है। उसने अपने प्रधानमंत्री को दिया और कहा, महाराज! यह तो नरम, मीठा और इसमें रस भी है। राजा ने कहा, अभी भी मुझे समझ में नहीं आया। उस दरबार में एक विद्वान थे। वे आम खाने के बजाय सीधा राजा के पास ले गए और कहा कि राजा! इसको आप खाइए। जब तक आप नहीं खाएंगे, दूसरों के खाने से कुछ पता नहीं लगेगा कि यह क्या चीज है? तब राजा ने उस आम को चखा और कहा-हां, अब समझ में आ गया कि आम क्या होता है। उसी प्रकार आज संसार में शांति की चर्चा करने वाले बहुत लोग हो चुके है, परंतु जब तक आप शांति का स्वयं अनुभव नहीं कर लेंगे, तब तक यह सिर्फ एक शब्द मात्र है।

न्यूज ब्रीफ

मानसिंह मेड़ा को बनाया जिला सहकारी बैंक का अशासकीय प्रशासक

माही की गूंज, झाबुआ। प्रदेश में बदलते हुए राजनैतिक समीकरणों के बीच प्रदेश सरकार द्वारा धड़ल्ले से विभिन्न अशासकीय पदों की पूर्ति की जा रही है। इसी कड़ी में जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्यादित झाबुआ के अशासकीय प्रशासक के पद पर कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारी मानसिंह मेड़ा की नियुक्ति संयुक्त आयुक्त सहकारिता इन्दौर द्वारा अपने आदेश दिनांक 17 मार्च द्वारा की गई है तथा इनके उक्त पद पर नियुक्ति के आदेश भी जिला सहकारी बैंक एवं जिला पंजीयक सहकारी समितियां झाबुआ को प्राप्त हो चुका है। मेड़ा द्वारा जिला सहकारी केन्द्रीय बेंक मर्यादित के अशासकीय प्रशासक के पद का कार्यभार बैंक अधिकारियों, सहकारिता विभाग के अधिकारियों सहित कांग्रेसी पदाधिकारियों तथा कार्यकर्ताओं की उपस्थिति में ग्रहण किया। जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक में पदभार ग्रहण करने पर बैंक परिवार की ओर से उनका स्वागत किया गया। मानसिंह मेडा की इस नियुक्ति पर कांग्रेसी तबकों में हर्ष व्याप्त है। मेड़ा के अध्यक्ष बनने पर थांदला गेट मित्र मंडल की ओर से बण्टू अग्निहौत्री, संतोष रूनवाल, अविनाश डोडियार, जितेन्द्र थाह, नाथुभाई ठेकेदार ने पुष्पमालाएं पहनाकर उनका स्वागत किया।

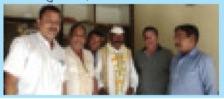

पेटलावद का ठेकेदार कुकड़ीपाड़ा में कर रहा है भवन का घटिया निर्माण

जिम्मेदार अधिकारी व उपयंत्री आंखें बंद कर सब देख रहे है, ठेकेदार लगा रहा शासन को चूना

माही की गूंज, भामल। सुनील सोलंकी

प्रदेश व केंद्र सरकार करोड़ों रूपए के बजट पास कर ग्रामीण अंचलों में बड़े-बड़े शासकीय स्कूल भवन स्वीकृत कर बच्चों के भविष्य को संवारने का काम कर रही है। ग्रामीण अंचल के बच्चों को बरसात के दिनों में टपकती छत के नीचे बैठकर न पढ़ना पड़े इस समस्या को देखते हुए सरकार करोड़ों रूपयों से भवन निर्माण करती है लेकिन भ्रष्ट अधिकारियों व ठेकेदारों की मिली भगत से सरकार द्वारा किए जा रहे सारे काम भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ जाते है।

कुछ ऐसा ही मामला थांदला तहसील के अन्तर्गत ग्राम कुकडीपड़ा में देखा जा सकता है। जहां आदिवासी विभाग द्वारा हायर सेकेंडरी स्कूल भवन का निर्माण पेटलावद के ठेकेदार के माध्यम से करवाया जा रहा है। आदिवासी बाहुल्य जिले में शासन की महत्वाकांक्षी योजनाओं को खुले आम अधिकारियों की मिली भगत से पलीता लगाने काम भ्रष्टाचारी ठेकेदार करते नजर आ रहे है। किन्तु उन पर किसी प्रकार की नकेल नहीं कसी जा रही है। इसके विपरीत उन्हें संरक्षण देते हुए बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार किया जा रहा है। आपको बता दे कि खवासा क्षेत्र के ग्राम कुकडिपाड़ा में करोड़ों रुपए की बिल्डिंग के निर्माण में जमकर भ्रष्टाचार किया जा रहा है। अनियमितताओं के साथ घटिया निर्माण कर ठेकेदार अपना आर्थिक लाभ अर्जित कर रहा है।

जानकरी अनुसार आदिवासी विभाग के माध्यम से कुकड़ीपाड़ा संकुल के अंतर्गत हायर सेकेंडरी भवन का निर्माण किया जा रहा है। जिसमें ठेकेदार घटिया सामग्री का उपयोग कर भवन निर्माण में जमकर भ्रष्टाचार कर रहा है। भवन के निर्माण में जिस तरह से घटिया सामग्री का उपयोग किया जा रहा है उससे तो यही लगता है कि आने वाले समय में बच्चों के सिर पर हमेशा खतरा मंडराता रहेगा। भवन की लागत करोड़ों में है, जिसकी निर्माण एजेंसी खुद आदिवासी विकास विभाग है, जो पेटलावद के ठेकेदार के माध्यम से कार्य करवा रही है। ठेकेदार द्वारा किए जा रहे भ्रष्टाचार के खिलाफ गांव के ही ग्रामीणों ने आवाज उठाई है।

रेखा निनामा व साथी कमलेश गामड़, ऐतुड़ी गामड़, रामचंद्र कटारा, कमलेश गामड़, हरिया कटारा और अन्य ग्रामीणों ने बताया कि भवन का निर्माण घटिया किस्म से किया जा रहा है। एक ही पानी के टैंकर से भवन की तरी की जा रही है व उसका निर्माण हो रहा है। पानी का जो टैंकर है वह पूरी तरह से लिकेज है। जिससे पानी लाते आधा टेंकर तो रास्ते में ही खाली हो जाता है। जिससे शासन के राजस्व काफी नुकसान हो रहा है। साथ ही बच्चों के भविष्य के साथ भी ठेकेदार द्वारा खिलवाड़ किया जा रहा है। मामले में उच्च अधिकारियों को संज्ञान लेना चाहिए और घटिया रूप से काम करने वाले ठेकेदार के खिलाफ कड़ी कार्यवाई करना चाहिए।

दो साल पहले शुरू हुआ पुलिया निर्माण कार्य आज तक अधूरा

माही की गूंज, खच्चरटोड़ी।

गांवों के विकास तथा ग्रामीणों की सुविधाओं के लिए शासन द्वारा कई योजनाएं चलाकर निर्माण कार्य कराए जाते है लेकिन पंचायतों में स्थिति यह है कि कई कार्य स्वीकृत होने के बावजूद शुरू ही नहीं हुए है। तो कोई सालों से अधूरे पड़े है। कुछ ऐसी ही स्थिति ग्राम पंचायत खच्चरटोड़ी के नयागांव जागीर में दो ताड़ के नीचे कालिया कुआ के पास में वर्ष 2018 में स्वीकृत हुई ढाई लाख राशि की पुलिया निर्माण की है। मुख्य मार्ग से ग्रामीण किसानों के खेत को जोड़ने वाली इस कच्ची सड़क पर दो साल पहले पुलिया निर्माण शुरू हुआ था। जो आज तक पूरा नहीं हो सका है। जिससे ग्रामीण किसानों को अपने खेत तक वाहन ले जाने में काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। गर्मी के समय किसी तरह से आवागमन कर लेते हैं, बरसात के दिनों में मुख्य मार्ग तक पहुंचना चुनौतीपूर्ण हो जाता है। बरसात में किसानों के वाहन फंस जाते है। ग्रामीणों का कहना है कि अधूरे पुलिये का निर्माण पूरा कराने पंचायत प्रतिनिधियों से कई बार गुहार लगाई गई लेकिन अपना कार्यकाल पूरा होने तक भी इस ओर कोई भी ध्यान ही नहीं दिया। जो अधुरा निर्माण कार्य हुआ है उसमें भी अमानक सामग्री का प्रयोग किया गया। युवाओं ने घटिया पुलिया निर्माण कार्य की शिकायत 10 जुन 2019 को जनपद सीईओ रावत को की थी। शिकायत में कहा गया था कि पुलिया निर्माण कार्य में जमकर अनियमितताएं और भ्रष्टाचार किया गया है। इसकी जांच की जाए तथा भ्रष्टाचारियों पर कार्रवाई की मांग की गई थी। जनपद सीईओ रावत ने आज तक किसी भी प्रकार की कार्रवाई नहीं की। इसके अलावा ग्रामीण प्रकाश खतेडिया ने अधूरे पुलिया निर्माण कार्य की शिकायत सीएम हेल्पलाइन पर की। कुछ दिनों पहले सरपंच पति, सचिव और जनपद सीईओ ने शिकायतकर्ता प्रकाश को आश्वासन दिया कि आप अभी शिकायत वापस ले लिजिए वरना हम पर उच्च अधिकारी कार्रवाई कर देंगे। हमारे द्वारा पुलिया निर्माण कार्य जल्द ही पुरा कर दिया जाएगा। कई दिन हो गए है लेकिन अभी तक पुलिया निर्माण का कार्य शुरु नहीं किया गया है। प्रकाश खतेडिया अब जब भी सरपंच पति और सचिव से संपर्क करते है तो वे आज-कल का ही बहाना बनाते रहते है।

हलमा आयोजन में योगदान देने पर किया सम्मान

माही की गूंज, झाबुआ। हाल ही में शिवगंगा द्वारा प्रतिवर्ष अनुसार हाथीपावा टेकरी पर हलमा कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। जिसमें दूर सुदूर आदिवासी क्षेत्रों के ग्रामीण किसानों तथा सामाजिक कार्यकर्ताओं पुलिस प्रशासन कर्मचारी गणों व मुस्लिम समाज के युवाओं ने निःस्वार्थ भाव से हलमा कार्यक्रम के आयोजन में सहभागिता की। शिवगंगा के महेश शर्मा, सहयोगी जितेंद्र पटेल के साथ स्थानीय वार्ड 4 में मुस्लिम युवाओं जिन्होंने हलमा आयोजन में अपनी भागीदारी सुनिश्चित की। ऐसे युवाओं का उन्होंने सम्मान किया।

रापी गाढ़ कर हाइ-वे पर लूट को अंजाम देने वाले धराए

लंबे समय के बाद पेटलावद पुलिस को मिली सफलता

माही की गूंज, पेटलावद। अपराधों के लगातार बढ़ते ग्राफ और अपराधियों तक पुलिस के नहीं पहुंच पाने के कारण सवालों के घेरे में थी। पूर्व थाना प्रभारी दिनेश शर्मा भी अपराध नियंत्रण नहीं कर पाने के कारण पहले ही हटाए जा चुके थे। नए थाना प्रभारी सजंय रावत ने आते ही पेटलावद-थांदला रोड पर स्थित खोरिया घाटी के पास रापी लगाकर कार को रोककर लूटपाट करने की वारदात करने वाले गिरोह का पर्दाफाश किया।

पुलिस अधीक्षक विनित जैन के निर्देशन में एडिशनल एसपी विजय डावर, एसडीओपी बबिता बामनिया के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी पेटलावद निरीक्षक संजय रावत की पुलिस टीम को मुखबीर से सूचना मिली कि पेटलावद बदनावर रोड पर रापी लगाकर वारदात करने वाले दो बदमाश पेटलावद-रायपुरिया रोड मण्डी के पीछे वाले कच्चे रास्ते पर इसी प्रकार की लूटपाट की घटना करने की नियत से तैयारी में खड़े है। तभी पुलिस टीम ने त्वरित कार्यवाही करते हुए घेराबंदी कर बदमाश जुवानसिंह पिता हरजी मोरी निवासी माछलिया, दिवान पिता जामनसिंह वास्केल निवासी माछलिया को पकड़ा तथा बदमाशों ने पुछताछ में हाईवे पर अपने अन्य साथी आरोपी मंसुर परमार व मुकेश वास्केल निवासी माछलिया के साथ रापी लगाकर कार को रोकना तथा कार में बैठी सवारी के साथ लूटपाट कर माल को आपस में बांट लेना बताया। आरोपी जुवानसिंह व दिवान के कब्जे से उनके हिस्से में आए सेमसंग कम्पनी मे गेलेक्सी एस9 व नगद 3000 रूपए बरामद हुए है। उक्त आरोपियों के गिरोह के दो आरोपी जवानसिहं व दिवान को अभिरक्षा में लेकर न्यायालय से पुलिस रिमाण्ड प्राप्त किया है तथा आरोपियों से गिरोह के सरगना तथा अन्य घटनाओं के संबंध में बारिकी से पुछताछ की जा रही है। आमजन को उम्मीद बंधी है कि पिछले कुछ समय में क्षेत्र में हुई वारदातें जल्द ही ट्रेस होगी। सम्पूर्ण कार्यवाही में क्राईम बांच, सायबर टीम, उप निरीक्षक नरेश ननामा, प्रधान आरक्षक मुनेन्द्र, प्रधान आरक्षक हितेन्द्र, प्रधान आरक्षक फोदलसिंह, आरक्षक लालसिंह, शेलेन्द्र, राकेश की मुख्य भूमिका रही।

श्रद्धा एवं भक्ति के साथ मनाया गया दशामाता व्रत पर्व

माही की गूंज, झाबुआ। चैत्र महीने की दशमी पर बुधवार को नगर की हिन्दुधर्मावलंबी माताओं द्वारा दशामाता पूजन का व्रत किया गया। यह व्रत खासतौर पर घर की दशा ठीक होने के लिए किया जाता है। इस व्रत के दौरान महिलाएं कच्चे सूत का डोरा लाकर डोरे की कहानी कहती है तथा पीपल की पूजन कर 10 बार पीपल की परिक्रमा कर उस पर सूत लपेटती हैं तथा डोरे में 10 गठान लगाकर गले में बांधकर रखती हैं। मान्यता है कि प्रत्येक व्यक्ति के जीवन में उतार-चढ़ाव बने रहते हैं। कई लोगों के जीवन में यह कम समय के लिए आते हैं, तो कई लोग जीवनभर परेशानियों से जूझते रहते हैं। ऐसे में उनके परिवार की, जीवन की दशा बिगड़ जाती है। यदि किसी व्यक्ति के जीवन की दशा बिगड़ी हुई होती है तो उसे अनेक कष्टों का सामना करना पड़ता है, और जब दशा अच्छी होती है तो उसका जीवन सुखद होता है। जीवन की इसी बिगड़ी हुई दशा को सुधारने के लिए दशामाता का पूजन किया जाता है। इसी कड़ी में कृष्ण पक्ष की दशमी तिथि के दिन दशामाता का बुधवार को किया गया। इस दिन महिलाएं कच्चे सूत का 10 तार का डोरा लाकर उसमें 10 गांठ लगाती है और पीपल के पेड़ की पूजा करती है तथा पिपल के पेड़ पर कच्चा धागा लपेट कर उसकी परिक्रमा करती है। डोरे की पूजा करने के बाद पूजन स्थल पर नल दमयंती की कथा सुना इसके बाद इस डोरे को गले में बांधती है। पूजन के बाद महिलाएं घर पर हल्दी-कुमकुम के छापे लगाती है। व्रत रखते हुए एक ही समय भोजन करती हैं। भोजन में नमक का प्रयोग नहीं किया जाता है। इस दिन घर की साफ-सफाई करके अटाला, कचरा सब बाहर फेंक दिया जाता है।

परंपरागत तरिके से नगर में बुधवार को दशामाता व्रत पूजन काआयोजन गोपाल कालोनी, पुलिस लाईन,जगदीश मंदिर,नसीयाजी के पास, सज्जन रोड, उमापति महादेव मंदिर सहित पुलिस लाईन आदि में किया गया। प्रातःकाल से ही महिलाओं की भीड़ पूजन के लिये एकत्रित हुई तथा विधि-विधान से पूजन अर्चन दशामाता के धागे पहिने गये तथा पिपल वृक्ष की पूजा अर्चना की गई। झाबुआ नगर में दशमाता पर्व भी बुधवार एवं गुरूवार दोनों दिन मनाया जाएगा। दशामाता के पूजन के लिए ग्रामीण क्षेत्रों से भी महिलाओं ने पहूंच कर विधि-विधान से पूजा की तथा नल दमयंती की कथा का श्रवण किया।

रगपंचमी पर साम्प्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने का प्रयास

रंगों के त्यौहार में पड़ा खलल

माही की गूंज, बामनिया।

शनिवार को बामनिया में रंगपंचमी त्यौहार को साम्प्रदायिक रूप से बिगाड़ने का प्रयास किया गया। जिससे रंगों के त्यौहार में खलल पड़ गया और नगर का माहौल बिगड़ते-बिगड़ते रह गया। यहां बामनिया के युवा सुबह से रंगपंचमी के त्यौहार को लेकर उत्साह में दिख रहे थे। मुख्य चौराहे पर डीजे की धुन पर थिकरते नगर के आमजन रंगपंचती त्यौहार का आनंद ले रहे थे। नगर में गैर निकालने की तैयारी चल ही रही थी कि एक वर्ग विशेष के युवक ने डीजे पर चल रहे गानों पर आपत्ति दर्ज कराते हुए गाली-गलौच कर डीजे बंद कराने का प्रयास किया। जिससे रंग मे भंग पड़ गया और देखते ही देखते नगर का सामप्रादिक सौहार्द बिगड़ने की स्थिति निर्मित हो गई। मामले की जानकारी पुलिस को लगने पर बामनिया पुलिस सहित थाना प्रभारी संजय रावत ने नगर में पहुंचकर स्थिति को बिगड़ने से रोका। हिन्दवादी संगठन की ओर से दिए गए आवेदन पर पुलिस ने समीर नाम के युवक को चौकी पर बिठा दिया। जिसके बाद मामला शांत हुआ। मामले में थाना प्रभारी संजय रावत ने बताया कि मामले में युवक को चौकी पर बिठाया गया, जिसे देर रात छोड़ा गया। युवक पर 107, 116 की कार्यवाही तहसील न्यायालय के माध्यम से की जा रही हैं।

नगर में आक्रोश

घटना के बाद नगर और हिन्दु संगठनों में आक्रोश का माहौल है। लोगों का कहना है कि अधिकांशतः हिन्दु त्यौयारों पर इस प्रकार के असमाजिक तत्व सामप्रदायिक विवाद खड़ा करने की उद्देश्य से जबरन विवाद करते है और हिन्दु त्यौहारों को बिगाड़ने का प्रयास किया जाता है। जबकि अन्य धर्मों के कार्यक्रम में नगर के हिन्दु वर्ग के लोग पूरा सहयोग देकर शांति से धार्मिक आयोजनों को पुर्ण करवातें हैं। हिन्दु संगठनों का आरोप है कि आवेदन देने के बाद भी गांव का माहौल बिगाड़ने वाले युवक पर जरूरी कार्यवाही नहीं की गई। लोगों का कहना है कि इस प्रकार के छोटे-छोटे विवाद बड़े विवाद का रूप लेते है। इसलिए पुलिस को ऐसे उन्मादी तत्वों पर सख्त कार्यवाही करना चाहिए ताकि नगर में वर्षों से चला आ रहा भाईचारा बना रहें और शांति के साथ त्यौहार मना सके।

मेघनगर में भी प्रशासन अलर्ट पर

माही की गूंज, मेघनगर। जिले के मेघनगर विकासखंड के सभी सामाजिक, धार्मिक संगठनों, संस्थाओं, आम नागरिकों से झाबुआ कलेक्टर प्रबल सिपाह के निर्देश अनुसार मेघनगर एसडीएम पराग जैन में अपील की है कि कोरोना वायरस के विश्वव्यापी संक्रमण के दृष्टिगत किसी भी धार्मिक आयोजन, सामाजिक समारोह, मेले, जुलूस के आयोजनों को स्थगित रखा जाए। स्वयं को भीड़ भरे आयोजनों से दूर रखें। कोरोना वायरस से व्यक्तिगत सतर्कता व सावधानी ही श्रेष्ठ बचाव है। नमस्कार, आदाब अभियान को अपनाएं व ज्यादा भीड़भाड़ वाले इलाके से बचें। जरूरी काम हो तभी घर के बाहर जाएं। सर्दी-जुकाम हो तो मास्क का प्रयोग करें तथा बार-बार हर कार्य करने के बाद अपने हाथों को धोएं। स्वास्थ्य महकमे को अलर्ट रहने के लिए निर्देश बीएमओ डॉक्टर सेलक्सी वर्मा को निर्देशित किया है कि अत्यंत भीड़भाड़ वाले इलाके टेंपो स्टैंड, बस स्टैंड मेघनगर तथा आसपास के क्षेत्रों में लगातार स्वास्थ्य विभाग द्वारा जनता को जागरूक किया जाए। कोरोना वायरस के लक्षण, वायरस से सतर्कता के लिए उपाय बताया जाए। शासकीय तथा प्राइवेट क्लीनिक पर भी कोरोना वायरस सूचना संदेश तथा फेलक्स लगवाएं।

पृष्ठ एक से शेष...

शराब ठेकेदार के गुर्गो ने की हत्या, मामले को दुर्घटना में बदलने का पुलिस कर रही है प्रयास

प्रत्यक्षदर्शी के बयान पर क्यों प्रकरण दर्ज नहीं

पुलिस के पास घटना में घायल युवक के प्रत्यक्षदर्शी बयान के आधार पर हत्या का प्रकरण दर्ज करने पुरा कारण मौजुद था लेकिन कहीं न कहीं पुलिस पर दबाब साफ नजर आया। पोस्टमार्टम रिर्पोट के नाम पर मामले को गोलमाल कर प्रकरण दर्ज करने में देरी की गई, जिससे ग्रामीणों में आक्रोश पनपा। पुलिस ने प्रकरण दर्ज करने की बजाए ग्रामीणों को समझाईश देने में वक्त जाया किया। जिसके परिणाम स्वरूप पुरे दिन पेटलावद से सारंगी तक का माहौल बनता बिगड़ता रहा है और स्टेट हाइवे पर जाम की स्थिति रही।

उक्त पिकअप गाडी शराब से भरकर आ रही थी जिसे पुलिस व शराब ठेकदार के गुर्गो ने रूकवाया और वाहन में सवार तीन लोगो को गाडी के पिछले हिस्से में पटक-पटककर मारा गया जिससे एक कि मोत के साथ गाडी पर खुन के धब्बो के साथ बाल भी चिपके दिखाई दिए।

मृतक का साथी पुलिस कि हिरासत में अस्पताल में उपचार्थ पर बुधवार तक किस आरोप में पुलिस कि गिरफ्त में है का खुलासा नही किया पुलिस ने।

200 से अधिक पर प्रकरण दर्ज, 30 से ज्यादा नामजद

पुलिस ने फिलहाल लगभग 200 से अधिक लोगों के विरुद्ध विभिन्न धाराओं में चक्काजाम, पथराव व बलवे में प्रकरण दर्ज कर लिया है। जिसमें 30 से ज्यादा लोगों को नामजद किया गया है। कई लोगों की गिरफ्तारी भी हो चुकी हैं। 353, 332, 341, 147, 148, 427, 506 और सार्वजनिक संपत्ति निवारण अधिनियम 1984 धारा 32 के तहत मामला दर्ज किया है। प्रकरण दर्ज होने के बाद मृतक के परिजन, घायल सहित आसपास के गांव के लोग गांव छोड़ कर भाग गए। पुलिस द्वारा लागतार दबिश दी जा रही हैं। वहीं समाचार लिखे जाने तक भी शराब जप्ती, शराब ठेकेदार व उनके गूर्गो और जो पुलिसकर्मी घटना के समय शराब ठेकेदार के गुर्गो के साथ थे, उनके विरूद्ध पुलिस कार्यवाही की जानकारी पेटलावद व सारंगी पुलिस से लेना चाही। लेकिन पुलिस कुछ भी बताने व बात करने से बचती रही।

पुलिस की मौजूदगी में हुआ मृतक का अंतिमसंस्कार

बुधवार को पुलिस द्वारा मृतक के परिवार को बड़ी समझाईश के बाद नवापाड़ा मुक्तिधाम पर अंतिम संस्कार किया गया। अंतिम संस्कार में पुलिस अधिक्षक विनित जैन, एसडीओपी, टीआई के साथ पुलिस बल था। जिनकी उपस्थिति में ही मृतक सुरेश का अंतिम संस्कार किया गया। अंतिम संस्कार के बाद भी परिजन, हत्यारे शराब ठेकेदार व उनके गुर्गो के विरूद्ध हत्या की कार्यवाही की मांग करते रहे। पुरे मामले को देखकर लगता है कि अगर पुलिस शराब माफियाओं के पक्ष में कार्यवाही करती है तो ग्रामीणों का आक्रोश पुलिस को आगे भी झेलना पड़ सकता है।

माही की गूंज समाचार पत्र के स्वामित्व एवं अन्य विषयों से सम्बंधित विवरण

घोषणा फार्म-4

(नियम-3 देखिए)

(1) प्रकाशन स्थल : 499, बाजना मार्ग, गणेश मंदिर के सामने, : खवासा, तह.-थांदला, जिला-झाबुआ (म.प्र.)

(2) प्रकाशन की अवधि : साप्ताहिक (गुरुवार)

(3) मुद्रक का नाम : श्रीमती अलका भटेवरा
क्या भारत का नागरिक है : हाँ
पता : 499, बाजना मार्ग, गणेश मंदिर के सामने, : खवासा, तह.-थांदला, जिला-झाबुआ (म.प्र.)

(4) प्रकाशक का नाम : श्रीमती अलका भटेवरा
क्या भारत का नागरिक है : हाँ
पता : 499, बाजना मार्ग, गणेश मंदिर के सामने, : खवासा, तह.-थांदला, जिला-झाबुआ (म.प्र.)

(5) संपादक का नाम : धर्मेन्द्र पांचाल
क्या भारत का नागरिक है : हाँ
पता : 499, बाजना मार्ग, गणेश मंदिर के सामने, : खवासा, तह.-थांदला, जिला-झाबुआ (म.प्र.)

(6) उन व्यक्तियों के नाम व पते जो समाचार पत्र के स्वामी हो तथा जो समस्त पूंजी के एक प्रतिशत से अधिक के साझेदार या हिस्सेदार हो : श्रीमती अलका भटेवरा : 499, बाजना मार्ग, गणेश मंदिर के सामने, : खवासा, तह.-थांदला, जिला-झाबुआ (म.प्र.)

मैं श्रीमती अलका भटेवरा एतद् द्वारा घोषित करती हूँ कि मेरी अधिकतम जानकारी एवं विश्वास के अनुसार ऊपर दिये गये विवरण सत्य एवं सही है।

स्थान : खवासा (म. प्र.)
दिनांक : मार्च 2020

हस्ताक्षर
श्रीमती अलका भटेवरा
(प्रकाशक/मुद्रक)

हाईवे की होटलों और ढाबों पर खुलेआम बिक रही है शराब

पुलिस और आबकारी विभाग की क्यों है आंखें बंद ?

माही की गूंज, सनावद/बासवा।

ग्रामीण आंचल के आसपास तथा हाईवे की होटलों में अनैतिक रूप से शराब बिक्री की जा रही है। जानकारी के अनुसार इन्दौर- ईच्छापूर हाईवे पर बासवा से धनगांव के मध्य में होटल संचालकों द्वारा अवैध शराब बिक्री होती है तथा प्रिंट रेट से ज्यादा चार्ज लेकर हर समय यहां शराब उपलब्ध रहती है। हमारी खोजी टीम ने इस बात की जांच पड़ताल की और पाया कि अधिकांश होटलों पर जब चाहो तब शराब मिल जाती है या उपलब्ध करवा दी जाती है। वहीं होटल में बैठकर पीने की व्यवस्था कर दी जाती है। इसके एवेज में होटल व ढाबे वाले अपने बिक्री समान पर अतिरिक्त चार्ज रेट लेते हैं तथा किसी तरह का कोई एतराज नहीं सुना जाता है। हाईवे के अधिकांश होटल व ढाबे वाले काफी तादाद में शराब का स्टॉक अपने पास रखते हैं जो कि अवैध और गैरकानूनी होता है। यह होटल मालिक बेखोफ व धड़ल्ले से बिना किसी डर के गैर कानूनी तरीके से शराब बेच रहे हैं। आबकारी विभाग और पुलिस विभाग इस बारे में पूर्ण खामोश है। उनकी खामोशी इन शराब माफियाओं से सांठ-गांठ की ओर इशारा करती है। हाल ही में हुई एक कार्रवाई से अंदाजा लगा सकते हैं कि शहर की हाईवे की होटलों में कितनी तादाद में शराब रखी जाती है। हाल ही में हुई कार्रवाई के दौरान पुलिस ने होलकर कॉलोनी में शराब माफिया के निवास से एक लाख की अवैध शराब बरामद की थी। एक ही नहीं उसके आसपास की कई होटलों और शहर व हाईवे की अधिकतर होटलों पर ऐसा कार्य किया जा रहा है लेकिन कार्रवाई के नाम पर सिर्फ और सिर्फ खानापूर्ति हो रही है।

जैसा करोगे कर्म, वैसा होगा रोना

कथावाचक केशवाचार्य जी ने कोरोना वायरस पर दी अपनी राय, कहा संतो का राजनीति में क्या काम

माही की गूंज, सनावद।

जैसा करोगे कर्मा वैसा होगा रोना क्योंकि कर्म के भरोसे ही अपना जीवन सुधारा जा सकता है। यह बात नगर के रूपखेड़ा स्थित वृंदावन धाम में चल रही सात भागवत कथा में पधारे कथावाचक काशी पीठाधिपति जगतगुरु 1008 बालकस्वामी केशवाचार्य महाराज ने पत्रकारों के सवालों के जवाब में कही। आचार्य जी ने कैराना वायरस पर किए गए सवाल के जवाब देते हुए कहा कि जैसा करोगे कर्म वैसा करोगे रोना। आज के समय में सत्कर्म ही मनुष्य के भाग्य का उदय और अस्त बनते हैं। इसलिए सत्कर्म करते चलो। कोरोना जैसी बीमारियों से बचते रहोगे। आचार्य श्री ने साधु संतों के राजनीतिक में आने पर कहा कि साधु संतों का काम राजनीति में अपने परामर्श देना है। ना की राजनीति करना है, लोगो के सामने वोट मांगना। उन्हें देने का अधिकारी है। आज के समय में समाज में फैली अनेक विसंगतियां हैं। इसे दूर किया जाना चाहिए। आज लोग पश्चात संस्कृति को अपनाने में लगे हैं। जबकि यह चीजें पुराने समय की नहीं है। पुराना बातों को लोग भूलते जा रहे हैं। आज समाज विभिन्न भागों में बटा हुआ है। समाज को भी एकता के साथ आगे लाना चाहिए तेरा और मेरा देवताओं में भी नहीं चला था। एक प्रसंग सुनाते हुए गुरुदेव ने कहा कि जब भगवानों में बड़ा होने की बात आई। तो भगवान शिव ने विष्णु को बढ़ा बताया और भगवान विष्णु ने शिव को बढ़ा बताया। इस तरह देवलोकमें कभी वर्चस्व को लेकर लड़ाई नहीं हुई। लेकिन आजकल राजनीति हो या समाज हर जगह एक दूसरे को नीचा दिखाने का काम कुछ लोगों द्वारा किया किया जाता है। जिससे उन्हें बचना चाहिए। स्वच्छता के सवाल के जवाब पर कथावाचक में कहाँ की स्वच्छता का एक मिशन है। इसे पूरे देश में अपनाना चाहिए। और इसे भी एकता के साथ पूरा करना चाहिए। यह मिशन महात्मा गांधी ने शुरू किया था। लेकिन कुछ सालों तक रुका रहा। अब फिर इसकी अलख जागी है। इसे साकार बनाने में हर भारत वासी आगे आये। आज गंगा जी के मुकाबले मां नर्मदा स्वच्छ और अविरल बह रही है।।क्योंकि नर्मदा कुंवारी होकर कलयुग में जीवनदायिनी के रूप में प्रचलित है। कथावाचक ने जैन धर्म का प्रसंग सुनते हुए कहाँ की हम हमारे बच्चो को संस्कार देते है। वैसे ही संस्कार जैन धर्म मे दिए जाते है। अंहिसा परमोधर्म का नारा ही। भगवान महावीर ने दिया था। जो आज सार्थक बन चुका है।आचार्य जी ने अन्य सवालों का बेबाकी से जवाब दिया।

न्यूज ब्रीफ

सुमधुर गीतों की प्रस्तुति के साथ मनाया गया रंगो का पर्व रंगपंचमी

माही की गूंज, बड़वानी। कम आन टेलेन्ट म्यूजिक क्लब बड़वानी के तत्वावधान में संगीत प्रेमियों के द्वारा रंगों का पर्व रंगपंचमी सुमधुर गीतों की प्रस्तुति के साथ मनाया गया। रंग बरसे शीर्षक से आयोजित इस कार्यक्रम का निर्देशन कम आन टेलेन्ट म्यूजिक क्लब बड़वानी के संचालक अनिल बकावले के द्वारा किया गया। संगीत प्रेमियों की उपस्थिति में एक से बढ़कर एक होली गीतों की प्रस्तुति विभिन्न गायको के द्वारा दी गई। कार्यक्रम में होली गीतों की प्रस्तुति अनिल बकावले, सुनिता शुक्ला, रागिनी वर्मा, प्रीति मकासरे, गायत्री राठौड़, डॉक्टर सुनिल जामुने, दीपक मोरे, कमलेश गंगवाल, दिनेश कौषल, रवि पांचाल, दिनेश भर्गव, विक्रम सोंलकी, संजय पिपलोदे, विजय निहाले एवं अन्य गायको ने दी। कार्यक्रम में प्रमुख अतिथि नगरपालिका अध्यक्ष लक्ष्मण चौहान, समाजसेविका नीलम श्रीवास्तव, पिंकी गुप्ता, राजेश राठौड़, श्याम राठौड़ तथा आरआर प्रिन्स थे। कार्यक्रम का संचालन सुनिता राज ने किया। उक्त जानकारी संचालक अनिल बकावले ने दी।

ग्राम पंचायत ठीकरी व पिपरी के गठन पर आपत्तियां एवं सुझाव आमंत्रित

माही की गूंज, बड़वानी। राज्य शासन द्वारा नगर निकाय ठीकरी के गठन की कार्यवाही रद्द कर देने से गठित होने वाली ग्राम पंचायत ठीकरी तथा पिपरी के गठन की प्रारम्भिक सूचना का प्रकाशन कर दावे - आपत्ति तथा सुझाव 23 मार्च तक अनुविभागीय अधिकारी राजस्व राजपुर के कार्यालय में आमंत्रित किये गये है। निर्धारित तिथि तक प्राप्त दावे-आपत्ति एवं सुझाव पर अनुविभागीय अधिकारी राजस्व राजपुर 24 मार्च को अपने कार्यालय में सुनवाई करेंगे। सुनवाई के बाद अंतिम प्रकाशन प्रपत्र जिला पंचायत बड़वानी को प्रेषित करेंगे।

सेना में हुआ अमित का चयन, गांव में मना जश्न

माही की गूंज, बमनाला। भीकनगांव विकासखंड के सुर बंगुर ग्राम के एक नौवजवान आमित गणेश प्रजापत का आर्मी में सिलेक्शन हुआ है। प्रजापत 13 मार्च को आर्मी की ट्रेनिंग के लिए रवाना हुए। सभी ग्रामवासीयों तथा परिवार, रिश्तेंदारों, सारे दोस्तों, क्षेत्रवासियों द्वारा उनका आभिनंदन किया गया। पुरे गांव में खुशी उल्लास का माहौल देखा गया। डिजे द्वारा देश भक्ती गितों से रेली निकाली गई। साथ ही बच्चों से लेकर बड़ों तक ने अपने चेहरों को तिन रंगों से तिरंगा रंग लिया। देश सेवा के लिए जा रहें जवान को बुजुर्गो ने आशिर्वाद दिया। स्वागत बिदाई समारोह में ग्राम के मदन मोहन पटेल, देवराम पटेल, संजय प्रजापत, गुल्लु यादव, जवान आमित प्रजापत के पिता गणेश प्रजापत ने शामिल होकर भारत माता की सेवा के लिए जा रहे जवान को बिदाई दी।

कोरोना वायरस के चलते श्रद्धालुओं के प्रवेश पर प्रतिबंध

माही की गूंज, ओंकारेश्वर। ममलेश्वर ज्योतिर्लिंग भगवान के दर्शन के लिए आने वाले देशी तथा विदेशी श्रद्धालुओं के प्रवेश पर प्रतिबंध लगा यिा गया है। भगवान श्री ज्योतिर्लिंग की पूजा अर्चना नियमित रूप से जारी रहेगी। पंडित-पुजारी पूजा-अर्चना करते रहेंगे। मंदिर परिसर के बाहरी क्षेत्र में भारतीय पुरातत्व विभाग के आदेश अनुसार ताले लगा दिए गए है। पुनासा एसडीएम ममता खेड़े ने जानकारी देते हुए बताया कि देश में फैल रहा 'कोरोना वायरस के संक्रमण' के कारण भीड़भाड़ वाले एरिया में सुरक्षा की दृष्टि से शासन-प्रशासन ने यह कदम उठाया है। भारतीय पुरातत्व विभाग के अधीक्षण यंत्री के आदेश अनुसार 31 मार्च तक श्रद्धालुओं के प्रवेश पर प्रतिबंध रहेगा।

हिन्दू नव वर्ष पर होगा भव्य राष्ट्रभक्त सम्मेलन

माही की गूंज, सनावद।

भारत माता मंदिर ग्राम बांगरदा में 25 मार्च को दोपहर 3 बजे राष्ट्रभक्ति सम्मेलन हिंदू नव वर्ष के प्रथम दिवस को आयोजन किया है। राष्ट्रीय संत रामेश्वर नंद जी ने पत्रकारों को संबोधित करते हुए बताया कि इस राष्ट्र भक्ति सम्मेलन में क्षेत्र के धर्म प्रेमी जनता एवं आसपास के 50 गांव के इस आयोजन में सपरिवार आमंत्रित किए गए हैं। इस कार्यक्रम के अंतर्गत 11000 दीपों के माध्यम से मां भारती की दिव्य आरती की जाएगी। राष्ट्रभक्ति के संबंध में देश के विशिष्ट जनों और संतों का मार्गदर्शन प्राप्त होगा। जिसके अंतर्गत सनातन संस्कृति की तीव्रता पर्यावरण की सुरक्षा संवर्धन राष्ट्र की उन्नति। वर्तमान की सामयिक परिस्थितियों पर चर्चा और साथ ही आज इंसान के बातों में जो शारीरिक और मानसिक अशांति का कारण बन रहे। उन्हे उचित मार्गदर्शन प्राप्त होगा। और भारतीय संस्कृति का मार्गदर्शन प्राप्त होगा। इस राष्ट्रभक्ति सम्मेलन के माध्यम से सनातन को संबोधित करने के लिए संत महात्माओं को आमंत्रित किए गए। तत्पश्चात विशाल महाप्रसादी का आयोजन भी रखा गया है ताकि जो लोग भी वहां पर पहुंचेंगे उन्हें मां भारती की आरती का प्रसाद प्राप्त हो सके। साथ ही साथ कुछ विशिष्ट बीमारियां जैसे आंखों की बीमारी लगभग हर बुजुर्गों को तो होती है मगर आजकल युवाओं को भी नंबर पढ़ रहे हैं, आंखों में आंसू आते हैं,

खुजली होती हैं या गर्मी के सीजन में उनकी समस्या फैलती है, आंखें लाल होती है, दूसरे को देखकर के खुद की आंखें लाल होने लग जाती है, तो ऐसी संक्रामक बीमारियों से बचाए के लिए निःशुल्क औषधि वितरण का भी आयोजन किया जाएगा। क्षेत्रवासी बन्धु एवं बहनों से इस आयोजन में बढ़-चढ़कर के सहयोग प्रदान करे। इस आयोजन को सफल बनाने में सहयोग करें और जनता के साथ राष्ट्र धर्म और संस्कृति को प्रदान करने वाला होगा हम सभी क्षेत्रवासियों को आह्वान करते हैं।

कोरोना से सुरक्षा एवं स्वास्थ्य कारणों से समस्त जवाहर नवोदय विद्यालय 21 मार्च से बंद

माही की गूंज, सनावद। स्थानीय जवाहर नवोदय विद्यालय के प्राचार्य एस एस वाघमारे ने बताया कि कोरोना एक महामारी बन चुकी है। जिससे बचाव एवं विद्यार्थियों के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए नवोदय विद्यालय समिति द्वारा वार्षिक परीक्षा के टाइम टेबल में तत्काल परिवर्तन कर 20 मार्च तक परीक्षा समाप्त हो जाएगी। आगामी 21 मार्च से समस्त जवाहर नवोदय विद्यालय बंद करने का निर्णय लिया है । विद्यालय में 21 मार्च से 25 मई तक ग्रीष्मावकाश घोषित कर दिया है। पालक गण अपने पाल्य/पाल्या को नवोदय विद्यालय से 21 मार्च को ले जा सकेंगे। उक्त जानकारी विपिन गुप्ता ने दी।

बोर्डिंग एवं डे-बोर्डिंग खिलाड़ियों का 31 मार्च तक अवकाश

माही की गूंज, झाबुआ। खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा नोवेल कोरोना वायरस व उससे जनित बीमारी के संक्रमण से बचाव के लिए राज्य खेल अकादमी के समस्त बोर्डिंग एवं डे-बोर्डिंग खिलाडियों का अवकाश 31 मार्च तक किया गया है। प्रदेश में स्थित सभी खेल परिसरों में 31 मार्च तक खेल गतिविधियां सभी प्रकार के सदस्यों के लिए स्थगित की गई हैं। इस अवधि में विभाग द्वारा किसी भी प्रकार की गतिविधियां, आयोजन नहीं किये जायेंगे। सार्वजनिक स्थलों, खेल मैदानों, परिसरों में एक साथ एक स्थान खिलाडियों, आमजन के समूहों में एकत्रित या उपस्थित होने के परिणाम स्वरूप नोवेल कोरोना वायरस बीमारी के संभावित खतरे की रोकथाम के उद्देश्य से यह निर्णय लिया गया है।

आवारा मवेशियों का आतंक

माही की गूंज, झाबुआ। स्थानीय उत्कृष्ट विद्यालय के ठिक सामने नगर पालिका के पोल हार्डिंग पर हॉ हम 200 अंक देना चाहेंगे का संदेश नगर की स्वच्छता को लेकर लगाया गया है। किन्तु मंगलवार को फिर से दर्जनों की संख्या में आवारा पशु इसी होर्डिंग के नीचे घंटो तक समूह में जमे रहे। जिसके कारण सज्जन रोड पर आने-जाने वाले वाहनों व यात्रियों को इससे काफी मशक्कत करना पड़ी। कई बार मीडिया द्वारा इन आवारा पशुआ को लेकर समाचारों का प्रकाशन भी किया गया किन्तु नगर पालिका ने आज तक नगर में स्वच्छंद विचरण कर रहे इन पशुओं को पकड़ने के लिऐ कुछ भी कदम नहीं उठाया।

जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में विवाहों का दौर शुरू, बाल विवाह एवं दहेज का लेन-देन भी जारी

धरातल पर शासन-प्रशासन के प्रयास साबित हो रहे फिसड्डी

माही की गूंज, झाबुआ।

जिले में इन दिनों विवाहों की धूम मची हुई है। शहरी, नगरीय के अलावा विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में विवाह समारोह चल रहे है। जिनकी बाराते शहरी एवं नगरीय क्षेत्र में भी देखने को मिल रहीं है। उधर इस बीच ग्रामीण अंचलों में बाल विवाह एवं दहेज का भारी लेन-देन की भी जानकारी मिल हीं है, लेकिन शासन एवं प्रशासन के इनको रोकने को लेकर धरातल स्थल पर प्रयास पूरी तरह से फिसड्डी ही साबित हो रहे है।

जिले के शहरी एवं नगरीय क्षेत्रों में जहां शुभ मुर्हुत में नवंबर, दिसंबर, जनवरी एवं फरवरी माह में विवाहों का दौर चलता है। वहीं ग्रामीण क्षेत्रों में फरवरी से लेकर जून माह तक (पूरे ग्रीष्मकाल में) विवाह की धूम मचती है। इस दौरान प्रतिवर्ष ग्रामीण क्षेत्रों में सैकड़ों विवाह समारोह संपन्न होते है, इसमें कई बाल विवाह भी होते है, यह कहना अतिश्योक्ति नहीं होगी।

ग्रामीण क्षेत्रों में अशिक्षा तथा जागरूकता के अभाव में आज भी बाल विवाहों का दोर जारी है। 18 वर्ष से कम उम्र की लड़की एवं 21 वर्ष से कम उम्र के लड़के का विवाह करवाया जाता है, जिसका असर लड़के-लड़की दोनों के जीवन पर पड़ता है। वहीं इस कारण घर-परिवार में भी तनाव एवं तरह-तरह की समस्याएं उत्पन्न होती है। प्रतिवर्ष जिले के ग्रामीण क्षेत्रो में सैकड़ों की संख्या में बाल विवाह होते है, लेकिन जिला प्रशासन उन पर अंकुश नहीं लगा पाता है।

दहेज का भी होता है भारी लेन-देन

उधर इस दौरान लड़के-लड़की पक्ष के बीच दहेज का भारी लेन-देन भी तय होता है। लड़के पक्ष द्वारा लड़की पक्ष के लोगों को दहेज के रूप में आभूषण एवं नगद मोटी रकम दी जाती है, जो कानूनन अपराध की श्रेणी में आता है। दहेज लेना एवं देना दोनों अभिशाप होने के साथ यह गैर कानूनी भी है, लेकिन लड़का-लड़की पक्ष के बीच विवाह तय करने वाले बिचौलिये तड़वी द्वारा यह लेन-देन तय करवाते हुए उसके स्वयं द्वारा भी उसमें हिस्सा लिया जाता है, यह प्रथा जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में आज भी बेरोकटोक जारी है, लेकिन इन दोनो कुप्रथाओं पर आज भी शासन-प्रशासन पूरी तरह से रोक नहीं लगा पाया है एवं नाकाम साबित हुआ है।

बाजारों में दिख रहीं भीड़, दुकानों पर खरीददारी का दौर

दुल्हे को मोटरसाईकिल पर बिठाकर ले जाते उसके साथी (मित्र)।

इस तरह आदिवासी युवतियां एवं महिलाएं समूह में गा रही विवाह के गीत।

जिलेभर में विशोषकर ग्रामीण क्षेत्रों में इन दिनों शादियों का दौर चलने से बाजारों में विशेष रौनक देखने को मिल रहीं है। ग्रामीणों की बाराते शहरी एवं नगरीय क्षेत्रों में निकल रहीं है। इसके साथ ही आदिवासी युवतियों भी समूह में गीत गाने एवं दुल्हा-दुल्हन को हल्दी लगाकर साथ में बाजारों में घूमाया जा रहा है। जिसके चलते बाजारों में विशेष चहल-पहल दिखाने देने के साथ ही खरीददारी का दौर भी जारी है। जिसमें आभूषणों, कपड़ों, बर्तनों, श्रृंगार सामग्रीयों की दुकानों पर विशेष भीड़ देखने को मिल रहीं है। विवाहों का यह दौर जून माह तक (बारिश पूर्व तक) जारी रहेगा।

भक्ति भाव व उत्साह से मनाया गया भगवान आदिनाथ का जन्मोत्सव

माही की गूंज, सनावद।

जैन धर्म के संस्थापक व प्रथम तीर्थंकर आदिनाथ भगवान का जन्म कल्याणक मंगलवार को मनाया गया। दिनेश पाटनी सन्मति जैन काका ने बताया कि भगवान आदिनाथ के जन्म कल्याण के अवशर पर आदिनाथ जिनालय में प्रातः श्री जी का अभिषेक किया गया ततपश्चात शान्ति धारा एवम भगवान का पूजन किया गया । वही दोपहर में भक्तामर मंडल विधान किया गया एवम रात्री में भगवान की संगीतमय भक्ति व भक्तामर जी का पाठ सनावद की स्थानीय भजन मंडलियों द्वारा किया गया।

वही बड़े मंदिर जी मे प्रातःआदिंनाथ भगवान का पंचामृत अभिषेक किया गया वही णमोकार धाम में भी भगवान का अभिषेक किया गया। जैसे की सभी को ज्ञात है की जैन धर्म के प्रथम तीर्थंकर भगवान आदिनाथ का जन्म चौत्र कृष्ण नौवीं के दिन सूर्योदय के समय हुआ। उन्हें ऋषभदेव जी, ऋषभनाथ भी कहा जाता है। ऋषभदेव आदिनाथ भगवान का जन्म युग के आदि में राजा नाभिराय जी के यहां पर माता मरूदेवी की कोख में हुआ था। उन्हें जन्म से ही सम्पूर्ण शास्त्रों का ज्ञान था। वे समस्त कलाओं के ज्ञाता और सरस्वती के स्वामी थे।

जैन पंथ में 24 तीर्थंकर हुए हैं, जिनमें सबसे पहले आदिनाथ भगवान हैं, ये राजा हुआ करते थे, लेकिन एक घटना के बाद इनका ह्रदय परिवर्तन हुआ और वैराग्य धारण कर इन्होंने जैन पंथ को अतिसार कर लिया। भगवान आदिनाथ ने विश्वशांति के लिए पूरा जीवन समर्पित कर दिया।

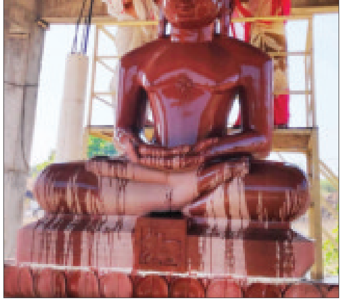

लायंस क्लब को सर्वश्रेष्ठ क्लब के अवार्ड से नवाजा गया

माही की गूंज, सनावद।

रचनात्मक तथा सेवाभावी गतिविधियों में लॉयंस क्लब स्नेह तथा लॉयनेस क्लब ने पुनः सफलता के नए कीर्तिमान स्थापित किए हैं और सनावद नगर का नाम रोशन किया है।

रविवार को बड़वाह में आयोजित लायंस क्लब इंटरनेशनल के अवॉर्ड सेरेमनी समारोह में लायंस क्लब सनावद की अनिता भागचंद जैन को सर्वश्रेष्ठ अध्यक्ष, श्वेता पंचोलिया को सर्वश्रेष्ठ सचिव तथा रेणुका गुप्ता को सर्वश्रेष्ठ कोषाध्यक्ष के साथ लायंस क्लब सनावद को रीजन के सर्वश्रेष्ठ क्लब के अवार्ड से नवाजा गया। साथ ही क्लब को अतिश्रेष्ठ बेनर प्रजेंटेशन,अतिउत्तम सेवा गतिविधि और श्रेष्ठ वेल ड्रेस (फीमेल) का भी अवार्ड प्रदान किया गया। समारोह के अतिथियों ने क्लब के द्वारा सेवा के क्षेत्र में जरूरतमंद लोगों की मदद के लिए किए गए कार्यों की भूरी-भूरी प्रशंसा की। इस अवसर पर लायनेस अध्यक्ष अनिता जैन ने कहा कि लायनेस क्लब के सदस्यों के सहयोग से सेवा गतिविधियां अनवरत चलती रहेंगी और समाज के जरूरतमंद लोगों तक सहायता पहुंचाने का कार्य अथक रूप से जारी रहेगा। इस दौरान रीजन चेयर पर्सन ला.गुरदीपसिंह भाटिया,प्रथम वाइस डिस्ट्रिक्ट गवर्नर,डॉ. ईश्वरलाल मूंदड़ा, रीजन सचिव ला.राजकुमार नामदेव, डिस्ट्रिक्ट गवर्नर ला.अजय सेंगर, पूर्व डिस्ट्रिक्ट गवर्नर परविंदरसिंह भाटिया, ला.कुलभूषण मित्तल तथा खंडवा, बड़वाह, सनावद, बड़वानी, मूंदी, पुनासा, बुरहानपुर सहित 26 क्लब के सदस्य बड़ी संख्या में उपस्थित थे। क्लब की उपलब्धियों पर भागचंद जैन, विपिन गुप्ता, दिशा सोनी ने क्लब सदस्यों को बधाई दी।

सरकार द्वारा पैसा खर्च किए जाने के बाद भी झेलना पड़ रहा पेयजल संकट

50 हजार लीटर क्षमता की टंकी बनाई, अधूरा काम होने से प्यासे ग्रामवासी

माही की गूंज, खच्चरटोड़ी। विकास साबलिया

खच्चरटोड़ी में बारहमासी पेयजल समस्या से निजात दिलाने के लिए स्वीकृत हुई मुख्यमंत्री नल-जल योजना की हालात काफी खराब है। योजना के तहत ठेकेदार ने 12 मीटर ऊंची 50 हजार लीटर की क्षमता वाली टंकी तथा करीब 4 किलोमीटर पाइप लाइन डाली। जिसमें ठेकेदार द्वारा जमकर लापरवाही और अनियमितताएं की गई। ठेकेदार द्वारा मनमानी करते हुए ग्रामीणों को पानी नहीं दिया जा रहा है। जिसका खामियाजा ग्राम पंचायत खच्चरटोड़ी के ग्रामीणों को भुगतना पड़ रहा है। ग्रामीणजन पेयजल संकंट से जूझ रहे है। मेरावत फलिया, खच्चर फलिया, बागडिया फलिया, रोडवाला फलिया, हरिजन बस्ती, मालहात, लुहारटोडी, नईटोडी और तड़वी फलिया (खालसा) में ठेकेदार द्वारा पानी सप्लाई नहीं किए जाने से पेयजल की गंभीर समस्या पैदा हो गई है। जबकि आरटीआई द्वारा मिली जानकारी अनुसार ठेकेदार द्वारा जनवरी 2019 मे कार्य पुर्णता प्रमाण पत्र पाने हेतु लिखित पीएचई विभाग को यह गलत जानकारी दी कि उनके द्वारा मुख्यमंत्री नल-जल योजना के अन्तर्गत पाइप लाइन डालकर नियमित रुप से पानी दिया जा रहा है। स्थिति यह है कि ठेकेदार सरपंच के घर तक एक भी बार पानी नहीं पहुंचा पाया है। खालसा के तड़वी फलिये में ठेकेदार ने अभी तक एक भी बार पानी सप्लाई नहीं किया है। पाइप लाइन बिछाने के लिए ग्राम पंचायत द्वारा बनाए गए सीसी रोड को जेसीबी से खुदवाया गया था, लेकिन हालत यह है कि न तो नलों में पानी आ रहा है और न ही सीसी रोड को सुधारा गया है। इसके बावजूद इंजिनियर मंडलोई ने ठेकेदार को रोड रिपेयर का भुगतान कर दिया। इससे इंजिनियर मंडलोई को भी अवगत कराया गया लेकिन कोई कार्रवाई नहीं की गई। जिससे स्पष्ट है कि ठेकेदार ने इंजिनियर मड़लोई की मिलीभगत से जमकर भ्रष्टाचार किया। कई जगह वॉल नहीं लगाए गए फिर भी भुगतान कर दिया गया। कई जगह रोड पर बनाए गए वॉल के मुंह को खुला छोड़ दिया। जिससे हादसे की संभावना बनी रहती है। पानी स्टोर करने के लिए बनाए गए समवेल को दो साल भी नहीं हुए ओर लीकेज हो गया। जिससे हजारों लीटर पानी वेस्ट जा रहा है।

ग्रामीणों का कहना है कि ठेकेदार द्वारा पानी सप्लाई नहीं किया जा रहा है, जिससे पानी की समस्या से जुझ रहे है। हमने पीएचई विभाग के अधिकारियों को अवगत करा दिया है लेकिन उनके द्वारा कोई भी कार्रवाई नहीं की जा रही है। वहीं नलों में पानी नहीं आने की शिकायत कई बार पंचायत को की गई। ग्राम पंचायत के जिम्मेदार लोग मुख्यमंत्री नल-जल योजना पीएचई विभाग से सम्बन्धित होने एवं पंचायत को अभी तक योजना हेण्डओवर नहीं की गई कहकर पला झाड़ लेते है। यदि ऐसा ही रहा तो हम सभी ग्रामवासीयों को इकट्ठा होकर पीएचई विभाग कार्यालय के सामने धरना देने पर मजबूर होना पड़ेगा।

दो ट्युबवेल से लाइन जोड़े तो पेयजल समस्या कम होगी

ग्राम पंचायत खच्चरटोड़ी में स्वीकृत मुख्यमंत्री नल-जल योजना के अन्तर्गत दो ट्युबवेल एक नया गांव जागीर में और दूसरा नया गांव खालसा में लगाया गया। लेकिन एक वर्ष बाद भी ठेकेदार ने पाइप लाइन से नही जोड़ा। लापरवाही करते हुए ट्युबवेल को खुला मुंह छोड़ दिया था। बाद में ग्रामीणों ने ट्युबवेल के मुंह को बंद किया। यदि ट्युबवेल को पाइप लाइन से जोड़कर पानी सप्लाई किया जाता है तो पेयजल समस्या से थोड़ी निजात मिल सकती है।

कई जगह पाइप लाइन फूटी

ठेकेदार द्वारा बिछाई गई पाइप लाइन जमीन लेवल पर ही डाल दी गई। जिसके कारण कई स्थानों पर पाइप लाइन क्षतिग्रस्त हो गई। जिसका खामियाजा ग्राम पंचायत खच्चरटोड़ी की जनता को उठाना पड़ रहा है।

क्या है कार्यपुर्णता प्रमाण पत्र

ठेकेदार द्वारा किए गए कार्य के पुर्ण होने पर विभाग के मापदण्डों के अनुसार उस समयावधि में नल-जल योजना के मेंटेनेंस के रुप मे कार्य करना पड़ता है। इसके एवेज में मेंटेनेंस के लिए सरकार ठेकेदार को पैसे देती है। जिसके बाद कार्य पुर्णता पत्र जारी किया जाता है। और शेष राशि का भुगतान किया जाता है।

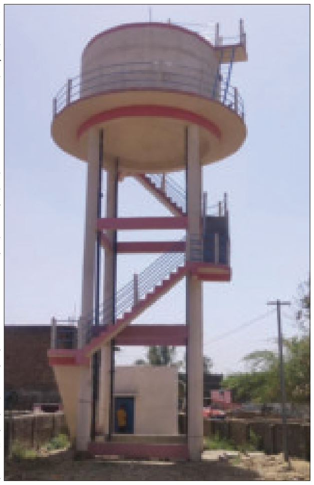

रोड पर लगाये वॉल्व को खुला छोड़ा, हादसे का अंदेशा

ठेकेदार ने फत्ताटोड़ी रोड पर वॉल्व लगाया लेकिन उसका मुंह खुला छोड़ दिया। वहीं भ्रष्टाचारी ठेकेदार द्वारा डाली गई पाइप लाइन लीकेज होने के कारण पानी इसी वॉल्व के गड्डे मे जमा हो जाता है, पानी भरे होने के कारण वॉल्व का गड्डा वाहन चालकों को दिखता नही है, जिससे हादसे की संभावना बनी रहती है।

ग्राम पंचायत के जिम्मेदार आखिर मौन क्यों?

ग्रामीणों ने ग्राम पंचायत के जिम्मेदारों के समक्ष ठेकेदार की शिकायत कई बार की लेकिन ग्राम पंचायत ने लिखित में एक भी बार पीएचई विभाग को ठेकेदार की शिकायत कर ठेकेदार की लापरवाही और किए गए भ्रष्टाचार से अवगत नहीं कराया गया। जिस पर ग्राम में यही चर्चा है कि आखिर क्यों मौन है ग्राम पंचायत के जिम्मेदार लोग? कहीं ठेकेदार द्वारा किए गए भ्रष्टाचार में इनकी मिलीभगत तो नही?

अफीम के पौधे जप्त, रिटायर्ड शिक्षक ने लगा रखे थे पौधे

माही की गूंज, झाबुआ। कालीदेवी थाना क्षेत्र के झिरी गांव में उमरकोट पुलिस ने रिटायर्ड शिक्षक शंकरलाल परमार के आम के बगीचे में अवैध रूप से लगा रखे अफीम के पौधों की सूचना मुखबीर द्वारा मिलने पर छापामार कार्रवाई की। आम के पौधों के बीच रखे लगभग 400 पौधे बरामद किए। मिली जानकारी के अनुसार इन पौधों में डोडे लगने की शुरूआत हुई थी। जिले में बड़ी मात्रा में अवैध रूप से अफीम के पौधे मिलने की पहली घटना है। पुलिस जांच कर आरोपी के खिलाफ नार्कोटिक्स एक्ट के तहत मामला दर्ज कर कार्रवाई की गई।

बाईक भिंडत में दो महिलाएं घायल

खच्चरटोड़ी। रम्भापुर- मदरानी रोड पर हरिओम मंदिर के सामने दो मोटरसाइकिल की भिड़त में दो महिलाएं घायल हो गई। डबलपट्टी नहीं होने के कारण आए दिन हादसे होते है। मोटरसाइकिल पर सवार दो महिलाओं को मामुली चोंट आई है। दुर्घटना में घायल महिलाओं का नाम सुरता और टीटा बताया जा रहा है, जो ग्राम घोसलिया की रहने वाली है।

बस -वेन की टक्कर में एक घायल

माही की गूंज, रायपुरिया। मारुति कार व बस की अंधे मोड़ पर टक्कर होने से मारुति चला रहे ड्राइवर को सिर में चोंट आई। जानकारी अनुसार रायपुरिया बस स्टैंड पर अंधे मोड़ पर पेटलावद से आ रही यात्री बस व रायपुरिया की ओर से पेटलावद जा रही मारुति की अंधा मोड़ होने से टक्कर हो गई। जिसमे दोनों वाहन क्षतिग्रस्त हुए है। इस दौरान मारुति वेन के ड्राइवर मोहन प्रजापत को चोंट आई। जिसे मारुति से बड़ी मशक्कत के बाद बाहर निकाला गया। इस अंधे मोड़ पर स्पीड ब्रेकर बनाने की मांग ग्रामीणों द्वारा लंबे समय से की जा रही है। वही यहां ना तो संकेत बोर्ड है ना ही अंधे मोड़ को लेकर कोई सुरक्षा इंतजामात। अंधे मोड़ की वजह से वाहन चालकों को अंदाजा नहीं लग पाता है ओर ऐसे में यंहा दुर्घटनाए होती है।

बायोमैट्रिक्स पद्धति से देना होंगे प्रमाण

माही की गूंज, झाबुआ। मध्यप्रदेश राज्य विद्युत मंडल तथा मध्यप्रदेश पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड से संबंधित पेंशनर तथा फैमिली पेंशनर को जीवित होने के प्रमाण बायोमैट्रिक्स पद्धति से किया जाना है। उक्त जानकारी देते हुए मध्यप्रदेश पश्चिमी क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड झाबुआ के लेखाधिकारी डीएस खराड़ी ने बताया कि झाबुआ और अलीराजपुर जिले के समस्त पेंशनर एवं फैमिली पेंशनर झाबुआ संभाग के 3 व 4 अप्रैल को झाबुआ संभागीय कार्यालय एवं अलीराजपुर संभाग के 8 व 9 अप्रैल को अलीराजपुर संभागीय कार्यालय में आकर जीवित होने का प्रमाण दे सकते हैं। उपरोक्त प्रक्रिया के लिए पेंशनर को आधार कार्ड, बैंक पासबुक व मोबाइल लाना अनिवार्य होगा। पेंशनर को अन्य कोई जानकारी प्राप्त करना हो तो वे लेखा कार्यालय में राजेंद्रसिंह चौहान से संपर्क कर सकते हैं। उक्त दिनांक के पश्चात भी उक्त प्रक्रिया धार लेखा कार्यालय में जारी रहेगी।

● टोक्यो ओलंपिक का आयोजन तय समय पर ही कराने के बयान से खिलाड़ी चिंतित

● फीफा ने कोरोना से निपटने के लिए डब्ल्यूएचओ को आर्थिक मदद का ऐलान किया

आईओसी और जापान ओलंपिक खेलों पर अड़े

टोक्यो ओलंपिक को लेकर आईओसी और जापान ने रुख साफ कर दिया कि उनकी खेल स्थगित करने की कोई योजना नहीं है। इससे खिलाड़ी भड़के हुए है..

लुसाने | एजेंसियां

[illegible]

खिलाड़ी ओलंपिक समिति के रवैये को लेकर भड़के

[illegible]

दक्षिण अफ्रीकी क्रिकेटर मंगलवार को कोलकाता से दुबई के जरिये अपने देश के लिए रवाना हुए थे।

भारत से लौट दक्षिण अफ्रीकी क्रिकेटर 14 दिन अलग रहेंगे

[illegible]

पाक लीग से जुड़े सौ लोगों की जांच होगी

[illegible]

संकट में साथ

जर्मनी के फुटबॉलर 25 लाख यूरो देंगे

[illegible]

फीफा कोरोना से जंग को एक करोड़ डॉलर की मदद देगा

[illegible]

झटके पर झटका

न्यूजीलैंड में हर तरह की क्रिकेट पर रोक

[illegible]

जुवेंटस का खिलाड़ी कोरोना से संक्रमित

[illegible]

अमेरिका में गोल्फ चैंपियनशिप निलंबित

[illegible]

नीवा बोले, मुक्केबाजी की तैयारी पर असर नहीं

[illegible]

विम्बलडन तय कार्यक्रम के अनुसार ही

[illegible]

यूएस ओपन पर संकट

[illegible]

यहां भी असर

ओलंपिक जिम्नास्टिक टेस्ट टूर्नामेंट टालना पड़ा

[illegible]

चेन्नई सिटी के एएफसी कप मैच भी स्थगित करने पड़े

[illegible]

सचिव ईश्वरसिंह गुर्जर निलंबित

माही की गूंज, पेटलावद।

विकासखण्ड पेटलावद की ग्राम पंचायत हनुमंतिया के सचिव ईश्वरसिंह गुर्जर को मुख्यमंत्री मदद योजना में गड़बड़ी करने के मामले में निलंबित कर दिया गया। ग्राम पंचायत हनुमंतिया के दशरथ पिता वरसिंग वसुनिया निवासी देवगढ़ के तीसरे बच्चे पर खाद्यान्न पर्ची जारी की थी, जबकि पंचायत सचिव ईश्वरसिंह गुर्जर को शासन के नियम पता होने के बाद भी उन्होंने यह कृत्य किया। जिस पर जिला पंचायत सीईओ ने ईश्वरसिंह को तत्काल निलंबित कर दिया है। अब उन्हें केवल जीवन भत्ता निर्वाहन लेने की पात्रता होगी। ईश्वरसिंह गुर्जर भाजपा नेता रमेश गुर्जर के पुत्र हैं और हनुमंतिया सहित आसपास की पंचायतों में प्रभाव रख कर कार्य कराने के आरोप लगते रहे हैं। वहीं ग्राम पंचायत हनुमंतिया में भी भ्रष्टाचार के कई गंभीर आरोप सचिव गुर्जर पर लग चुके हैं। पिछली बारिश में ग्राम पंचायत में बना लाखों का तालाब घटिया निर्माण के चलते बह गया लेकिन लगातार शिकायतों के बाद भी अपने पिता के राजनीतिक रसूख के चलते सचिव ईश्वरसिंह विभागीय कार्यवाही से बचने में कामयाब हो गया था। निलंबित सचिव की पंचायत की यदि जांच कराई जाए तो सरपंच-सचिव की मिलीभगत से हुए लाखों के भ्रष्टाचार की पोल खुल सकती हैं। पेटलावद विकासखण्ड में विगत दिनों ग्राम पंचायत के कार्यों में लापरवाही और भ्रष्टाचार के मामले में सचिवों पर निलंबन की कार्यवाही की जा रही हैं।

कोरोना कहर, शालाएं बंद, परीक्षाएं संचालित

माही की गूंज खवासा। महामारी घोषित हो चुके कोरोना वायरस के कारण पूरे विश्व में दहशत का माहौल है। वहीं मध्यप्रदेश में बचाव के लिए कई तरीके अपनाए जा रहे हैं। स्कूल, कॉलेज, सिनेमाघर और मॉल आगामी आदेश तक बंद रखे गए हैं। तो वहीं कक्षा 5 वी, 8वीं, 10 वीं तथा 12 वीं की परीक्षाएं संचालित की जा रही है। परीक्षा संचालन के लिए विशेष सावधानियां संबंधी निर्देश भी जारी किए गए हैं। स्कूल शिक्षा विभाग के उपसचिव सुधीर कुमार कोचर ने आयुक्त लोक शिक्षण संचालक राज्य शिक्षा केंद्र तथा सचिव मध्यप्रदेश माध्यमिक शिक्षा मंडल भोपाल को पत्र जारी कर आवश्यक दिशा निर्देश जारी किए। जिसमें इस संक्रमण से बचाव के लिए विद्यार्थियों को पर्याप्त दूरी पर बिठाया जाए, सभी विद्यार्थी एवं अधिकारी कर्मचारी को अपने साथ एक कॉटन का रुमाल लाने की सलाह दी जाए। केंद्रों पर हाथ धोने के लिए पानी की बाल्टी एवं साबुन की व्यवस्था भी आवश्यकतानुसार की जाए तथा विभाग के छात्रावासों में परीक्षार्थियों को छोड़कर अन्य बच्चों को घर जाने की सलाह दी जाए। परीक्षार्थियों को होस्टल में रहने के दौरान संक्रमण के रोकथाम हेतु पर्याप्त व्यवस्था की जाए।

स्थानीय बालक उमावि और कन्या उमावि मे 10 वीं तथा 12 वीं की परीक्षाएं संचालित की जा रही है। बालक केंद्र में 292 तथा कन्या केंद्र में 375 विद्यार्थी सम्मिलित है। वहीं कक्षा 5 वीं तथा 8 वीं की परीक्षा भी इस वर्ष बोर्ड पैटर्न पर ही हो रही है। 5 वीं के लिए माध्यमिक स्कूल को केंद्र तथा 8 वीं के लिए हाई स्कूल को केंद्र बनाया गया है। प्रत्येक केंद्र पर केंद्राध्यक्ष तथा सहायक केंद्राध्यक्ष की नियुक्ति की गई है।

मुख्यमंत्री मदद योजना में अधिकारियों का तुगलकी फरमान

बिना मापदंड के ग्राम पंचायतों को खरीदने होंगे निर्धारित एजेंसी से बर्तन

पेटलावद सहित रामा, थांदला और मेघनगर में बंटना है करोड़ों के बर्तन

पूर्व में झाबुआ विधानसभा में हो चुका है घटिया सामग्री का वितरण

माही की गूंज, पेटलावद।

कार्यालय आयुक्त आदीवासी विकास मध्यप्रदेश के आदेश क्रमांक/प्रचार/58/2019/दिनांक 01.10.2019 के अनुसार पुरे प्रदेश में अनुसुचित जनजाति वर्ग हेतु मुख्यमंत्री मदद योंजना के तहत 20 जिलो के 89 आदिवासी विकासखण्डों के 12358 ग्रामों में बर्तन क्रय करने हेतु प्रति ग्राम में 25,000/- के मान से ग्राम पंचायतों को सीधे प्रदाय की जाने के आदेश हुए थे। जिसमें ग्राम पंचायत को भगौना मय ढक्कन वजन लगभग 30 किलो 01 नग, भगौना मय ढक्कन वजन लगभग 25 किलो 01 नग, झारा स्टील 02 नग, स्टील के बड़े चमचे 06 नग, स्टील तसला/बाल्टी/तगारी 06 नग, कढ़ाई एक छोटी-एक बडी वजन लगभग 50 किलो 02 नग, परात स्टील मिडीयम 02 नग, जग स्टील के 04 नग और गिलास स्टील के 100 नग खरीदने हेतु ग्राम पचांयतों को राशि का आवंटन किया गया। उपचुनाव से पुर्व झाबुआ विधानसभा में उक्त योजना के अंतर्गत सामन का वितरण हो चुका है और मामले में घटिया बर्तन सप्लाई होने पर बवाल भी हो चुका है। बताया जा रहा है कि यहां बड़े पैमाने पर की गई सेटिंग से ग्राम पंचायत द्वारा खरीदे जाने वाले बर्तन सीधे किसी ऐंजेसी के माध्यम से घटिया और अमानक स्तर के भेजकर ग्राम पंचायतों से भुगतान प्राप्त कर लिया था। कई पंचायतों द्वारा दी गई घटिया सामग्री का विरोध भी दर्ज कराया गया।

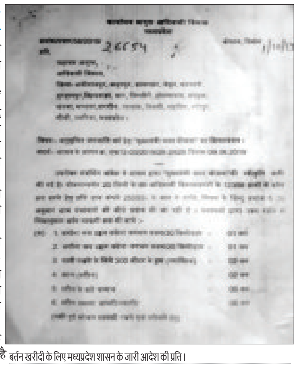

बर्तन खरीदी के लिए मध्यप्रदेश शासन के जारी आदेश की प्रति।

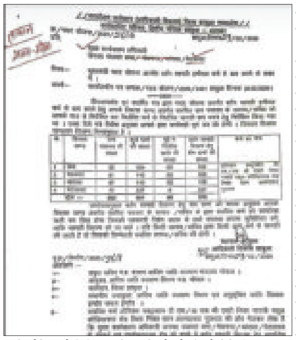

आदिवासी विकास की और से मुख्य कार्यपालन अधिकारी जारी आदेश की प्रति जिसके आधार पर ग्राम पंचायतों को निर्देशित किया जा रहा है।

सरकार पर खतरा देख हुए ताबड़तोड़ बर्तन खरीदने के आदेश

पिछले कुछ दिनों से प्रदेश में सरकार की स्थिति को देखते हुए पिछले कई माह से लटके पड़े उक्त कार्य को पुरा करने के लिए प्रदेश सरकार और अधिकारी सक्रिय हो गए तथा आदीवासी विकास झाबुआ के आदेश क्रं/मदद योजना/2020/2610/दिनांक 29.02.2020 को पेटलावद सहित तीन अन्य विकासखण्ड मुख्य कार्यपालन अधिकारी को आदेश जारी हुए। जिसमें पेटलावद की 77 पंचायतों के 237 गावों सहित अन्य विकासखण्डों सहित कुल 581 गांवों के लिए बर्तन खरीदी करने को कहा गया हैं। आदेश में बताया गया कि ओसियन क्रन्ट्रक्शन टीएफ/जय श्री एपटी नियर गायत्री स्कुल कोटियानगर नियर खान अहमदाबाद गुजरात नाम की फर्म को कार्य आदेश दिया गया। सरपंच-सचिवों को उक्त फर्म के माध्यम से ही खरीदी कर भुगतान करना है। आदेश में सख्त निर्देश दिए गए है कि सरपंच-सचिव द्वारा अन्य किसी फर्म से सामग्री क्रय की जाती है तो उसकी जिम्मेदारी संबंधित ग्राम पचांयत के सरपंच-सचिव की रहेगी। मुख्य कार्यपालन अधिकारी पेटलावद को मिले आदेश के बाद पेटलावद विकासखण्ड की लगभग सभी पंचायतों के पास बर्तन खरीदी के निर्देश पहुंच गए है। अधिकारी द्वारा जारी निर्देश में खरीदी के तत्काल समय-सीमा लिख कर भेजा गया है। मतलब साफ है कि बिना किसी लाक-लपेट के केवल ग्राम पंचायत को अपने पंचायत के अंतर्गत आने वाले राजस्व गांवों के अनुसार दी गई फर्म के नाम से चैक बनाकर देना है। जिसके बाद उक्त फर्म बिना मापदंड और मानमाने ढंग से बर्तन ग्राम पंचायतों को भेज देगी। बर्तन की मानकता तक देखने का मौका ग्राम पंचायतों को नहीं मिलेगा। मामले में मुख्य कार्यपालन अधिकारी पेटलावद से जानकारी ली गई तो उन्होने बताया कि ऊपर से आदेश है, हम तो फिर पालन कर रहे है। वहीं आदीवासी विकास झाबुआ के एसी प्रंशात आर्य का कहना है कि उक्त कार्य के लिए विभाग द्वारा दो बार विज्ञप्ति जारी की गई थी। जिसके बाद उक्त फर्म को शासन के नियमों के अनुसार कार्य दिया गया हैं।

इम्पेनल के लिए बनी थी समिति

शासन के नियमानुसार उक्त बर्तन सप्लाई को इम्पेनल करने हेतु जिला स्तर पर कलेकटर की अध्यक्षता में समिति गठित करने के आदेश दिए गए थे। इसमें जिला कलेक्टर अध्यक्ष, सीईओ जिला पंचायत सदस्य, महाप्रंबधक जिला उद्योग केन्द्र सदस्य, कार्यपालन यंत्री आईएस, पीडब्लुडी सदस्य, सहायक आयुक्त आदीवासी विकास सदस्य सचिव थे। और इसी समिति को सप्लाई किए जा रहे सामान की गुणवत्ता, दर और निविदा खोलने का प्रावधान किया था। शासन के नियमों के अनुसार ग्राम पंचायत स्तर पर होने वाली ग्रामसभाओं को किसी भी कार्य के लिए ग्राम हित में प्रमाणिक माना जाता है लेकिन भ्रष्टाचार के इस खेल में ग्रामसभा को दरकिनार रखते हुए और कागजी खानापुर्ति मानते हुए इम्पेनल समिति और निविदा के माध्यम से बर्तन खरीदने का प्रावधान किया गया। शासन जिन ग्रामसभाओं के माध्यम से पंचायत स्तर पर करोड़ों के कार्य करवाता आ रहा है, इस भ्रष्टाचार के खेल में आज उसी को फर्जी मान रहा है। कहीं न कहीं इस भ्रष्टाचार के पीछे सरकार, अधिकारियों या उनके सप्लायरों का स्वार्थ जुड़ा साफ दिखाई दे रहा है। सरकार की मंशा अनुसार उक्त योजना का मुख्य उद्देश्य गरीब जनजाति वर्ग के परिवारों को अनिवार्य सामाजिक संस्कारों के निर्हन हेतु सहायता उपलब्ध कराना था, ताकि आदीवासी संस्कृति तथा पारम्परिक प्रथाओं का सरंक्षण हो सके और समाज पर आर्थिक बोझ न पड़े।

जनसंख्या के आधार पर नहीं हुआ मुल्याकंन

शासन की मंशा और उद्देश्य दोनों ही अच्छे थे लेकिन उक्त योजना का प्रचार-प्रसार अब तक सरकार की ओर से ग्राम पंचायत स्तर पर नहीं किया गया। ग्राम पंचायत स्तर पर आने वाली कई योजनाएं भष्ट्राचार की भेंट खुले आम चढ़ चुकी है। वहीं उक्त योजना भी केवल कागजों के माध्यम से होते हुए सरपंच-सचिव के घर तक पहुंच रही है। सुदूर इलाकों की ग्राम पंचायत तो ठीक शहरी क्षेत्र की ग्राम पंचायत में भी आमजन को उक्त योजना की किसी प्रकार की जानकारी नही हैं। वहीं बर्तन वितरण के जो मापदंड तय किए गए है, उस पर भी सवाल खड़े होते नजर आ रहे है। क्योंकि जनसंख्या के आधार पर बर्तन नहीं दिए जा रहे और राजस्व ग्राम के आधार पर दिए जा रहे है। कई छोटी-छोटी ग्राम पचांयतें हैं जहां की जनसख्ंया तो कम है लेकिन राजस्व ग्राम तीन से चार या उससे अधिक है। वही कई ग्राम पंचायत ऐसी भी है जो बड़ी ग्राम पंचायत है और जनसंख्या भी अधिक है लेकिन राजस्व गांव बमुश्किल एक या दो है। ऐसे में ज्यादा जनसंख्या वाली पंचायतों को एक या दो सेट बर्तन मिल पाएंगे। जबकि कम जनसंख्या वाली पंचायतों को तीन-चार या उससे भी अधिक के बर्तन सेट मिल जाएंगे। अब यहां सवाल यह पैदा होता है कि क्या बिना प्रचार-प्रसार किए और बिना जनसंख्या मुल्यांकन के केवल बड़ा माल कमाने के उद्देश से योजना का क्रियांवयन किया जा रहा है।

सरपंच-सचिवों में नाराजगी

अधिकारियों की ओर से मिले तुगलगी फरमान के बाद कई ग्राम पंचायतों के सरपंच-सचिवों ने नारजगी व्यक्त करते हुए कहा कि बिना देखे-परखे कैसे सामग्री ले लें, और भुगतान कर दें। एक सचिव ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि जिले के सभी बड़े अधिकारी उक्त खरीदी में शामिल है। ऐसे में जो भी सामान भेजा जाएगा फिर चाहे वह घटिया ही क्यों न हो, हमको मजबूरी में लेना पड़ेगा और शिकायत करना हमारे लिए ही मुसीबत खड़ी कर सकता हैं। यदि सामग्री की खरीदी ग्राम पंचायत स्तर से होती तो अच्छा रहता। मध्यप्रदेश शासन द्वारा जारी बर्तनों की सूची में कुछ बड़े बर्तनों को छोड़कर वजन नहीं दर्शाया गया। जिससे प्राप्त बर्तन की क्वालिटी चेंक नहीं हो सकेगी। इससे पहले भी ग्राम पंचायत सचिवों का शासन द्वारा दिए गए टेबलेट मामले में बड़ा घोटाला हो चुका है। पांच से सात हजार की कीमत के टेबलेट के लिए अधिकारियों ने पन्द्रह हजार रूपए तक का भुगतान ग्राम पंचायतों से करवाया है। मामले में कई ग्राम पंचायतों के सरपंच-सचिव से सम्पर्क किया गया लेकिन सभी दबी जुबान से एक ही बात बोल रहे है कि अधिकारी के आगे कौन जाए। वहीं कुछ का कहना है सामान अगर सही नहीं आया तो विरोध करेंगे।

खान्डा-मिन्डा की कारस्तानी से महिलाएं हो रही परेशान

मामला: थांदला मार्ग पर निजी संपत्ति के मूल्य को बढ़ाने हेतु शासकीय बाथरूम को नस्तोनाबूद करने का

सार्वजनिक संपति का किया सत्यानाश, अब स्नान के लिए महिलाएं होगी परेशान

माही की गूंज खवासा।

शासकीय संपत्ति को कुछ लोग अपनी व अपने बाप की प्रॉपर्टी मानने लग जाते हैं, तो वही अपनी निजी संपत्ति के मूल्य को बढ़ाने हेतु निजी संपत्ति के आगे आम लोगों के सुविधा हेतु बनी शासकीय संपत्ति को भी अपने बाप दादा की संपत्ति मानकर बिना किसी कानून के भय के शासकीय संपत्ति को नस्तोनाबुद करने में कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं। लोभी एवं प्रभावशील व्यक्ति जो सिर्फ अपना ही लाभ देखते हैं न कि आम लोगों को होने वाली समस्या को! ऐसे व्यक्तियों को भी जवाबदारो का ऐसा संरक्षण है कि आमजन, खासकर महिलाए भी परेशान होने को मजबूर है।

थांदला जनपद के ग्राम खवासा में खान्डा-विन्डा के नाम से मशहुर गोवर्धन चौहान, जिसने ब्लास्टिंग टोटे के अवैध कार्य के साथ, शासन को चूना लगाकर लाखों की संपत्ति अर्जित करने के बाद भी संतुष्ट नहीं होने वाला गोवर्धन ने, खवासा के थांदला मार्ग पर हेडपम्प के समीप शासकीय बाथरूम जो कि ग्राम में किसी की भी मृत्यु होने पर अंतिम संस्कार के बाद महिलाएं उक्त हेडपम्प के समीप बने बाथरूम का उपयोग स्नान हेतु करती थी और उक्त शासकीय बाथरूम इसी सुविधा हेतु महिलाओं के लिए बनाए गए थे। परंतु लाखों की संपत्ति अर्जित करने वाला लोभी गोवर्धन को आम लोगों के साथ महिलाओं को होने वाली असुविधाओं से कोई सरोकार नहीं रहा और शासकीय बाथरूम के सामने जमीन लेकर मकान का निर्माण किया। मकान निर्माण के बाद अपनी संपत्ति के मूल्य एवं अपनी निजी सुविधा को बढ़ाने हेतु अंतिम संस्कार के दौरान महिलाओं को स्नान हेतु मिलने वाली सुविधा वाले बाथरूमो को तोड़कर नस्तोनाबुद कर दिया। ग्राम पंचायत सचिव ने नायब तहसीलदार को शिकायत पत्र लिखकर तो, नायब तहसीलदार जो की महीला है ने जांच का ढिंढोरा पीटकर मामले को कूड़े में डाल दिया।

नतीजन पिछले दिनों ही ग्राम में एक पाटीदार समाज के एक प्रभुत व वृद्ध की मौत होने के बाद महिलाएं उक्त हैंडपंप पर स्नान करने गई तो, उनकी परेशानी देखते ही बन रही थी। महिलाओं ने अपनी लाज व सभ्यता को बचाते हुए गोल घेरे की आड़ बनाकर अंतिम संस्कार के बाद वाला स्नान किया वहीं हेडपंप के आसपास के अन्य रहवासीयो नें महिलाओं को स्नान में सुविधा देने हेतु अपने ट्यूबवेल चालू कर पाईप दे दिया और अपनी दुकान बंद कर महिलाओं के स्नान तक वे वहां से चले गए। महिलाओं ने हेडपम्प व ट्यूबवेल के पाईप से स्नान कर गोवर्धन को अपनी भाषा में सौगंध-श्राप देते व कोसते हुए स्नान कर चली गई।

लोभी गोवर्धन की कारस्तानी से शासकीय बाथरूमो को तोड़ने के कारण महिलाएं गोल घेरा बनाकर परेशानियों के साथ स्नान करते हुए।

निजी संपत्ति की वैल्यू के लिए, सरकारी संपत्ति का सत्यानाश, जवाबदार मौन

समाचार को जवाबदारों ने बनाया अपने लाभ का माध्यम

लोभी गोवर्धन की कारस्तानी के कारण महिलाएं परेशान हो रही है, परंतु इन महिलाओं की परेशानी नायब तहसीलदार जो कि एक महिला भी है के साथ किसी को यह परेशानी नहीं दिख रही है और गोवर्धन चौहान व पुत्र के खिलाफ कोई कार्यवाही नही की व महिलाओं के स्नान हेतु बाथरूम की सुविधाएं भी नहीं की गई। जवाबदारो के उक्त कृत्य से महिलाओं की लाज एवं सभ्यता पर आच आ रही है। बता दें कि गूंज ने उक्त मामले को 27 जून व 26 सितंबर 2019 को ''निजी संपत्ति की वैल्यू के लिए सरकारी संपत्ति का सत्यानाश, जवाबदार मौन?'' व ''सार्वजनिक संपत्ति का किया सत्यानाश अब स्नान के लिए महिलाए होगी परेशान'' शीर्षक के साथ प्रकाशित किया था। उक्त समाचार जवाबदारो के लाभ का स्त्रोत बन गया और गोवर्धन व उसका पुत्र अपने मोहल्ले व चौराहों पर आए दिन कहता रहता है कि, समाचार छापने से क्या हो गया? कार्यवाही करने वाले सब को पैसा चाहिए ओर हमने जवाबदारो को पैसा दे दिया, अब कितना भी कोई छाप ले हमारे खिलाफकोई कार्यवाही नहीं होगी। महिलाओं को परेशानी हो रही है तो महिलाएं जाने, हमें क्या करना? खुल्ले रूप से कहने में लोभी कोई चूक नहीं कर रहे है।

खबर का असर...

बीएसडब्लू में पिछड़ा वर्ग और सामन्य के छात्रों के प्रवेश शुरू

माही की गूंज, पेटलावद।

पेटलावद महाविद्यालय में बीएसडब्लू के पिछड़ा वर्ग तथा सामन्य वर्ग के छात्रों के प्रवेश नहीं मिलने के कारण उनके शिक्षा प्रभावित हो रही थी। जिसको लेकर छात्रों की समस्या को गुंज द्वारा प्रमुखता से उठाया था। जिसके बाद कॉलेज प्रशासन हरकत में आया और उन्होने रोके गए छात्रों के प्रवेश को पुनः शुरू करवाते हुए पिछड़ावर्ग और सामान्य वर्ग के छात्र-छात्राओं के प्रवेश की फार्म जमा करना शुरू कर दिया। महाविद्यालय के छात्र चरणसिंह मंगरोलिया, संजय धनधारिया, सैलोनी पंवार, अनमोल पंवार, रिषीका जैन आदि ने बताया कि गुंज की खबर के बाद बीएसडब्लु कोर्स की महाविद्यालय के नोडल अधिकारी ने युनिर्वरसिटी से चर्चा कर पिछड़ा वर्ग और सामान्य वर्ग के द्वितीय व तृतीय वर्ष के छात्र-छात्राओं के प्रवेश देने की प्रक्रिया प्रारम्भ कर दी। प्रवेश मिलने के बाद महाविद्यालय के बीएसडब्लु के छात्रों का भविष्य बबार्द होने से बच गया। प्रवेश नहीं मिलने की स्थिती में पिछड़ावर्ग और सामन्य वर्ग के छात्र अपनी पढ़ाई में तीन से चार वर्ष पीछे हो रहे थे और उन्हे दूसरा विषय चुन कर फिर से प्रथम वर्ष से पढ़ाई करनी पड़ती। ज्ञात रहे कि महाविद्यालय पेटलावद में पेटलावद सहित विकासखण्ड के 77 पचांयतों के गरीब परीवार के ग्रामीण बच्चे अपनी पढ़ाई बीएसडब्लु कोर्स के माध्यम से पुरी कर रहे है। बीएसडब्लु के छात्र-छात्राओं द्वारा माही की गुंज को समय पर छात्रों की समस्या को प्रमुखता से उठाने और उच्च शिक्षा मंत्री जीतु पटवारी द्वारा मामले को गंम्भीरता से लेते हुए प्रवेश प्रारम्भ करवाने के लिए ध्यनवाद ज्ञापित किया।

कोरोना वायरस का नहीं है खौफ

माही की गूंज, काकनवानी। इन दिनों पूरे देश में कोरोना वायरस का खौफ हर इंसान के अंदर बैठा हुआ है। ऐसे में इस पलवाड़ क्षेत्र के आदिवासी अंचल में शादियों की बाहर चल रही है और डीजे की धुन पर सैकड़ों लोग एक साथ नाच रहे हैं। जिनको कोरोना वायरस का न तो ज्ञान है और ना ही इस कोरोना वायरस के बारे में कोई सूचना है। शादियों के चलते गुजरात के सूरत, भरूच, वापी, वलसाड़, आनंद, राजस्थान कोटा, बूंदी आदि पलायन कर गए लोग अपने घर वापसी कर रहे हैं। जिन्हें कोरोना वायरस का कोई खौफ नहीं है। कोरोना वायरस एक ऐसी महामारी है जिस व्यक्ति को भी लग जाए, उसे बहुत ही मुश्किल से बचाया जाता है, लेकिन इस आदिवासी अंचल में लोगों को कोरोना वायरस की जानकारी देने वाला कोई नहीं है। जिससे यह बेखौफ होकर झुंड बनाकर नाच गा रहे है। अन्य प्रदेशों में मजदूरी लौट रहे है उनमें से अगर किसी एक को भी इस भयानक कोरोना वायरस का थोड़ा सा भी असर हुआ होगा तो इस पूरे क्षेत्र में यह महामारी फैलने में देर नहीं लगेगी। प्रशासन को इस ओर ध्यान देना चाहिए तथा इन भोले-भाले आदिवासी अंचल के लोगों को इस बात की समझाइश देने के लिए प्रचार-प्रसार करने की आवश्यकता है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, अलका भटेवरा द्वारा काम्पेक प्रिन्टर्स प्रायवेट लिमिटेड, 3/54, प्रेस कॉम्प्लेक्स, ए. बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 499, बाजना मार्ग, गणेश मंदिर के सामने, खवासा, तहसील थांदला, जिला-झाबुआ (म.प्र.) से प्रकाशित। प्रधान संपादक- संजय भटेवरा, संपादक- धर्मेन्द्र पंचाल । मोबाइल नं. -95898-82798 (सभी विवादों का न्यायालय क्षेत्र झाबुआ रहेगा) आरएनआई नंबर- एमपीएचआईएन/2018/76422